कार्तिक शुक्ल पक्ष -12, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 134 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
21 नवंबर 2026 शनिवार

आज का मौसम
26.2 अधिकतम
10.5 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



Page-7

जरा कांग्रेस की विचारधारा की भी चिंता कर लो राहुल भाई...!

गांधी परिवार की पार्टी में तब्दील हो चुकी कांग्रेस के मुखिया युवराज राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश चुनाव की चिंता छोड़ एक बार फिर अमेरिका में छात्रों के बीच अपनी राजनीतिक क्लास लगाई। कोलंबिया विश्वविद्यालय में उन्होंने भारतीय लोकतंत्र पर मंडराते खतरे को रेखांकित किया तो शिकागो विश्वविद्यालय में यह 'रहस्योद्घाटन' कर दिया कि भाजपा की राजनीतिक विचारधारा समाप्त हो चुकी है। राहुल गांधी के इस आकलन में कितना सत्य, कितना असत्य और कितना अर्धसत्य है, इस पर बहस हो सकती है। भाजपा के विचारधारा से विचलन या उसके कथित पतन को राहुल गांधी अपनी राजनीतिक उपलब्धि मान सकते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या वे इस बात को लेकर लेशमात्र भी चिंतित हैं कि वैचारिक अधिष्ठान पर कांग्रेस की अपनी विचारधारा किस मुकाम पर पहुंच चुकी है?



प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

क्या उन्हें कांग्रेस के गठन का इतिहास याद है? ब्रिटिश शासन के दौर में 1885 में स्थापित इस संगठन का शुरुआती स्वरूप क्या था? इसके संस्थापक ए.ओ. ह्यूम की भूमिका क्या थी और इसके शुरुआती अध्यक्षों में ब्रिटिश नागरिक भी शामिल थे। बाल गंगाधर तिलक, गोपाल कृष्ण गोखले और महात्मा गांधी जैसे नेताओं के प्रभाव से कांग्रेस का स्वरूप धीरे-धीरे बदला और वह अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ स्वतंत्रता आंदोलन का प्रमुख मंच बनी।

ऐतिहासिक संदर्भ में महत्वपूर्ण सावरकर प्रसंग

वीर सावरकर का प्रसंग भी इसी ऐतिहासिक संदर्भ में महत्वपूर्ण है। ब्रिटिश शासन के विरुद्ध उनकी क्रांतिकारी गतिविधियों के कारण उन्हें कठोर दमन का सामना करना पड़ा। महात्मा गांधी ने भी 1921 में यंग इंडिया में सावरकर की राजनीतिक समझ का उल्लेख करते हुए स्वीकार किया था कि वर्तमान शासन व्यवस्था की बुराइयों को सावरकर ने उनसे बहुत पहले पहचान लिया था। नेताजी सुभाषचंद्र बोस को कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़कर अंग्रेजों के विरुद्ध आजाद हिंद फौज का रास्ता क्यों अपनाना पड़ा, यह भी कांग्रेस के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है।आज जिस आरएसएस को कांग्रेस अपनी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के केंद्र में रखती है, उसके संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का भी कांग्रेस से संबंध रहा था। आरएसएस की स्थापना 1925 में हुई, जबकि कांग्रेस सेवादल का गठन 1923 में हो चुका था। सावरकर और हेडगेवार के राजनीतिक जीवन के शुरुआती अध्यायों को समझे बिना उस दौर की वैचारिक हलचलों का समग्र आकलन संभव नहीं है।

राहुल गांधी यदि वास्तव में भाजपा के वैचारिक पतन से इतने खुश हैं तो उन्हें उस कांग्रेस की भी चिंता करनी चाहिए, जिसे महात्मा गांधी ने नए सिरे से गढ़ा था। जिस कांग्रेस में सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे नेता ने विभाजन के बाद रियासतों के विलय के जरिए एक अखंड भारत की संरचना में निर्णायक भूमिका निभाई। जिस दौर में डॉ. राजेंद्र प्रसाद और डॉ. भीमराव आंबेडकर ने नवगठित भारत को संवैधानिक ढांचे में ढालने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश की सत्ता और कांग्रेस का नेतृत्व संभाला। वह कांग्रेस किसी एक विचारधारा की बंधक नहीं थी। वह एक विशाल नदी की तरह थी, जिसमें वामपंथ, दक्षिणपंथ और मध्यमार्गीय विचारों की अलग-अलग धाराएं एक साथ बहती थीं। वैचारिक मतभेदों के बावजूद एक-दूसरे के विचारों के प्रति सम्मान का भाव था। यही उसकी ताकत और व्यापक सामाजिक स्वीकार्यता का आधार भी था। हालांकि इस वैचारिक प्रवाह में दरारें पड़ने की शुरुआत आजादी से पहले ही हो गई थी। मोहम्मद अली जिन्ना का कांग्रेस से अलगाव और मुस्लिम लीग का उभार भारतीय राजनीति में वैचारिक और राजनीतिक विभाजन की बड़ी घटनाएं थीं। आजादी, देश के विभाजन और महात्मा गांधी तथा सरदार पटेल के निधन के बाद कांग्रेस की वैचारिक धाराओं की दिशा भी धीरे-धीरे बदलने लगी।

बीते तीन दशकों में यह बदलाव और गहरा हुआ है। उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों में कांग्रेस की राजनीतिक मौजूदगी के बावजूद देश के बड़े हिस्से में उसकी कभी सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी रही वैचारिक पहचान कमजोर हुई है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि कांग्रेस की मूल विचारधारा पर चोट किसी बाहरी राजनीतिक दल से ज्यादा पार्टी के भीतर से होती दिखाई दे रही है। इसकी शुरुआत भले ही नेहरू के दौर में सत्ता के केंद्रीकरण के साथ हुई हो, लेकिन सोनिया गांधी और उनके चश्मेचिराग राहुल गांधी के दौर में परिवार-केंद्रित राजनीति और वैचारिक असमंजस ने इसे नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है।

वामपंथी राजनीति की वैचारिक छाया

भारत में वामपंथी राजनीति का प्रभाव भले ही पहले जैसा नहीं रहा हो, लेकिन उसकी वैचारिक छाया कांग्रेस के भीतर गहराई से दिखाई देने लगी है। राहुल गांधी जिस तरह अपनी राजनीतिक भाषा और विमर्श में वामपंथी विचारों के करीब जाते दिखाई देते हैं, उससे कांग्रेस की पारंपरिक मध्यमार्गीय और सर्वसमावेशी पहचान को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। राहुल भाई! भाजपा की विचारधारा की चिंता करने से पहले जरा अपनी पार्टी की विचारधारा का हिसाब-किताब भी कर लीजिए। जिस कांग्रेस को कभी अलग-अलग विचारों को साथ लेकर चलने वाली राष्ट्रीय धारा के रूप में पहचाना जाता था, वह आज अपनी वैचारिक पहचान को लेकर ही सवालों के घेरे में है। क्या आप कांग्रेस को उसके मूल वैचारिक पिंड की ओर लौटाने का कोई प्रयास करेंगे? क्या पार्टी को परिवार-केंद्रित राजनीति और वामपंथी वैचारिक आग्रहों के बीच से निकालकर फिर उस व्यापक राष्ट्रीय विचारधारा से जोड़ने का साहस दिखाएंगे, जिसने कभी कांग्रेस को देशव्यापी राजनीतिक पहचान दी थी?

दूसरों के वैचारिक पतन पर टिप्पणी करने से पहले अपनी पार्टी के वैचारिक भविष्य की चिंता कर लेना भी जरूरी है, राहुल भाई!

न्यूज विंडो

रिजिजू बोले- देश की छवि को नुकसान पहुंचा रहे राहुल, माफी मांगें

नई दिल्ली। अमेरिका में राहुल गांधी के 'कम्प्रोमाइज्ड पीएम' वाले तंज पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने नाराजगी जताई है। उन्होंने राहुल गांधी से 4 सवाल पूछे हैं। रिजिजू ने 1962 के भारत-चीन युद्ध, गरीबी और भारत की पुरानी आर्थिक स्थिति को लेकर कांग्रेस से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि राहुल भारत की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने यह बात राहुल के शुक्रवार को दिए उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने एपेक समिट के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन की एक फोटो शेयर कर मोदी पर निशाना साधा।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे हादसा: पिकअप में घुसी एंबुलेंस, 5 की गई जान



बाराबंकी। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर आज सुबह रफ्तार का कहर देखने को मिला। सुबेहा थाना क्षेत्र में पर जयपुर से पश्चिम बंगाल जा रही एंबुलेंस आगे चल रही पिकअप में पीछे से घुस गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि एंबुलेंस सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। प्रभारी एसपी विवेक तिवारी ने बताया कि हादसा आज सुबह करीब 6:30 बजे हुआ।

दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में 6.7 तीव्रता का भूकंप

लीमा। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में रात 6.7 तीव्रता का भूकंप आया है। इसके झटके राजधानी लीमा तक महसूस किए गए। इससे पहले भूकंप की तीव्रता 6.9 बताई गई थी। डर के चलते लोग घरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए। हालांकि, अब तक किसी की मौत या घायल होने और इमारतों को नुकसान पहुंचने की खबर नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम 7:09 बजे आया। इसका केंद्र जुनिन शहर से 34 किलोमीटर उत्तर में एंडीज पर्वत क्षेत्र में जमीन से 108 किलोमीटर नीचे था।

आज का कार्टून



आईआईटी खड़गपुर के प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम में पीएम का छात्रों से संवाद

नेशन फर्स्ट के मूल मंत्र के साथ चुनौतियां स्वीकारें युवा -मोदी

खड़कपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज पश्चिम बंगाल के आईआईटी खड़गपुर के प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम ने छात्रों और शिक्षकों से चर्चा के बाद इनोवेशन और डवलपमेंट और के बारे में बात की। उन्होंने कहा - भारत में 50 साल पहले एक कंपनी सेमीकंडक्टर बनाने आई थी, उसे लाल झंडा दिखाकर रोक दिया गया। जब मैं आया तो खुद अफसरों के साथ बैठकर फाइलें तैयार करवाईं। आज भारत चार सालों में ढेर सारी सेमी कंडक्टर फैसिलिटी शुरू हुई। पीएम ने कहा- आज हमारा सामर्थ्य इससे तय होता है कि हम कितनी चुनौतियों को चुनौती देने का साहस करते हैं। मेरे स्वभाव में है कि मैं चुनौती को चुनौती दिए बिना नहीं रह सकता।

पीएम मोदी ने कहा- बंगाल की वो धरती है, जहां से नेशनल मूवमेंट बने। यह संस्थान वहीं पर बना है जो स्वंत्रता सेनानियों का डिटेंशन कैंप हुआ करता था। उस समय उनकी गतिविधि आज भी मंत्र की तरह गूंजती होगी। भारत के स्पेस प्रोग्राम की बात करते हुए पीएम ने कहा कि हमारे देश में स्पेस में सिर्फ एक प्लेटफॉर्म इसरो का था, वहां भी युवाओं को एंट्री ही नहीं थी। हमने इसे नौजवानों के लिए ओपन किया।

छात्रों से कहा कि 2047 तक बहुत सारे लोग लीडरशिप पोजीशन में होंगे। इसलिए आपकी हर सफलता देश के लिए अहम होगी। आपको हमेशा खुद से यह सवाल पूछना है कि देश के सामने कौन सी चुनौतियां है, जिसे आप हल कर सकें। नेशन फर्स्ट मूल मंत्र होना चाहिए।

आईआईटी खड़गपुर ने जब अपनी यात्रा शुरु की, उस वक्त पहला चुनाव भी नहीं हुआ। भारत को इंजीनियर की जरूरत थी। तब यहां के इंजीनियर ने भारत के डेवलेपमेंट में योगदान दिया। फिर सॉफ्टवेयर डेवलेवमेंट का युग आया। यहां के छात्रों मेने उसमें भी योगदाप दिया। पीएम ने कहा- बंगाल की वो धरती है, जहां से नेशनल मूवमेंट बने। यह संस्थान वहीं पर बना है जो स्वंत्रता सेनानियों का डिटेंशन कैंप हुआ करता था। सोचिए वे उस समय यहां रहकर क्या सोचा करते थे। उस समय उनकी गतिविधि आज भी मंत्र की तरह गूंजती होगी।

गरीबी को स्थायी मानता था देश, हमने बदली सोच



छात्रों ने पीएम को स्मृति चिन्ह दिए।

प्रधानमंत्री ने गरीबी उन्मूलन और सरकार की नीतियों का जिक्र करते हुए कहा कि करीब 20 साल पहले तक देश में गरीबी को एक स्थायी समस्या माना जाता था। पांच दशक पहले भी लाल किले से गरीबी हटाने के नारे दिए जाते थे, लेकिन नीतियां बनाने के नाम पर पूरी व्यवस्था केवल फाइलें तैयार करके बैठ जाती थी। इसकी वजह यह सोच थी कि गरीबी कभी खत्म नहीं हो सकती। पिछले 12 वर्षों में सरकार ने इसी सोच को बदलने का प्रयास किया है। हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत है- 'पावर टू एम्पावर' यानी लोगों को सशक्त बनाने की शक्ति देना।

सात फीसदी से ज्यादा ग्रोथ रेट का दिया उदाहरण

भारत की विकास दर के मुरीद हुए ट्रम्प, अमेरिका में ब्याज दरें घटाने की पैरवी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत की आर्थिक नीतियों और तेज विकास दर की तारीफ करते हुए अपने देश में भी ब्याज दरें कम करने की वकालत की है। उन्होंने भारत की करीब 7 फीसदी आर्थिक विकास दर का उदाहरण देकर कहा कि अमेरिका में भी कर्ज सस्ता हो तो उसकी अर्थव्यवस्था 15 से 20 फीसदी तक बढ़ सकती है।



ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के साथ ब्याज दरों को लेकर उनका टकराव फिर तेज हो गया है। ट्रम्प ने फेड पर राजनीतिक तरीके से काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब अर्थव्यवस्था के आंकड़े अच्छे हों तो ब्याज दरें बढ़ाने के बजाय कम की जानी चाहिए। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा कि भारत में ब्याज दरें कम हैं और उसकी अर्थव्यवस्था 7 फीसदी की दर से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को भी कम ब्याज दरों का फायदा उठाना चाहिए। ट्रम्प के मुताबिक, ऐसा होने पर अमेरिकी अर्थव्यवस्था 14, 15 या यहां तक कि 20 फीसदी की दर से बढ़ सकती है।

नॉलेज... भारत की ग्रोथ के पीछे सिर्फ ब्याज दरें कारण नहीं

भारत की अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार के पीछे कई कारण हैं। निजी खपत, निवेश, सेवाओं का विस्तार और बुनियादी ढांचे पर खर्च इसमें अहम भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.6 फीसदी रही। वहीं, चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए आरबीआई के पेशेवर पूर्वानुमानकर्ताओं ने 7.1 फीसदी विकास दर का अनुमान जताया है। यानी ट्रम्प का 7 फीसदी का आंकड़ा मोटे तौर पर भारत की आर्थिक रफ्तार से मेल खाता है। भारत में भी ब्याज दरों को लेकर हाल के महीनों में बदलाव हुए हैं। आरबीआई ने अक्टूबर 2026 में रेपो दर 0.25 फीसदी बढ़ाकर 5.50 फीसदी कर दी थी। इससे साफ है कि भारत की तेज विकास दर को केवल कम ब्याज दरों का नतीजा नहीं माना जा सकता।

3 शहरों के मेटा ऑफिस में तोड़फोड़

» कांग्रेस बोली- बीजेपी के कहने पर अकाउंट सस्पेंड किए

मुंबई/हैदराबाद। हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम में इंडियन यूथ कांग्रेस ने मेटा के दफ्तरों के बाहर प्रदर्शन किया है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। हैदराबाद में प्रदर्शनकारी ऑफिस के अंदर घुस गए और तोड़फोड़ की। इस मामले में मुंबई पुलिस ने आज यूथ कांग्रेस अध्यक्ष जीना सबरीन समेत चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। 15 से 20 अज्ञात महिलाओं को भी आरोपी बनाया गया है।यूथ कांग्रेस के मुताबिक, मेटा ने 19 नवंबर को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर पाबंदी लगा दी थी। संगठन ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई भाजपा के कहने पर की गई।



महिला चैंपियंस ट्रॉफी... आज भारत का सामना कोरिया से

भोपाल, दोपहर मेट्रो। महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी-2026 में आज नाथू बरखेड़ा स्टेडियम में भारत का सामना शाम 7 बजे कोरिया से होगा। दूसरे दिन की शुरुआत दोपहर 2:30 बजे चीन और मलेशिया के मुकाबले से हो रही है। इसके बाद शाम 4:45 बजे थाईलैंड और जापान की टीमें आमने-सामने होंगी। इस तरह दर्शकों को एक ही दिन एशिया की छह टीमों के बीच तीन रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं।

वेलिंगटन टेस्ट... शतक चूके गिल, भारत 486/4

वेलिंगटन। भारत ने वेलिंगटन टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड पर 118 रन की बढ़त हासिल कर ली है। स्टंप्स होने तक टीम इंडिया ने 4 विकेट पर 486 रन बनाए। ऋषभ पंत 55 रन पर नाबाद लौटे। कप्तान शुभमन गिल दिन का खेल समाप्त होने से ठीक पहले 98 रन पर बोल्ड हो गए। वे महज 2 रन से शतक चूक गए।

मेट्रो एंकर

TVS ग्रुप के चार पीढ़ियों पुराने कारोबारी परिवार में संपत्ति की तकरार, मां भी बेटी के साथ

68 हजार करोड़ की विरासत पर संग्राम, बेटी ने पिता पर ठोका दावा

चेन्नई, एजेंसी

देश के बड़े औद्योगिक घरानों में शामिल टीवीएस ग्रुप में इन दिनों चर्चा कारोबार की नहीं, बल्कि परिवार के भीतर छिड़ी विरासत की लड़ाई की है। करीब 68 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति वाले इस कारोबारी परिवार में पिता और बेटी आमने-सामने हैं। उद्योगपति वेणु श्रीनिवासन की बेटी लक्ष्मी वेणु ने अपने ही पिता को कानूनी नोटिस भेजकर पारिवारिक संपत्ति में हिस्सेदारी मांगी है। इस विवाद की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि लक्ष्मी को अपनी मां मल्लिका का भी साथ मिला है।

दिसंबर 2020 में परिवार के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ था। इसके तहत तय किया गया कि परिवार की जो शाखा जिस कारोबार को संभाल रही है, उसका मालिकाना हक भी उसी के पास रहेगा। इसी व्यवस्था के तहत वेणु श्रीनिवासन और उनके परिवार के हिस्से में टीवीएस मोटर, टीवीएस क्रेडिट और सुंदरम क्लेटन जैसे कारोबार आए। विवाद की एक महत्वपूर्ण कड़ी अप्रैल 2025 से जुड़ी है। 24 अप्रैल को वेणु श्रीनिवासन ने शेयर बाजार को जानकारी दी थी कि उन्होंने टीवीएस होल्डिंग्स के 13,73,347 शेयर एक ट्रस्ट को हस्तांतरित किए हैं। ये कंपनी की कुल इक्विटी का 6.79 प्रतिशत थे। खास बात यह है कि टीवीएस होल्डिंग्स की टीवीएस मोटर में 50.26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस कारण शेयरों का ट्रस्ट में जाना कंपनी के अप्रत्यक्ष स्वामित्व और मतदान अधिकारों के लिहाज से महत्वपूर्ण था। इसी प्रक्रिया में बेटे सुदर्शन वेणु को लाभार्थी मालिक के रूप में बताया गया। द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक, बेटी लक्ष्मी ने इस व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए और जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर कानूनी नोटिस भेज दिया।

बसों से शुरू हुआ था कारोबारी सफर

टीवीएस ग्रुप की कहानी 1911 में शुरू हुई थी। इसके संस्थापक टी.वी. सुंदरम अयंगर ने उस दौर में बस परिवहन का कारोबार शुरू किया, जब भारत में मोटर वाहनों का इस्तेमाल शुरुआती दौर में था। समय के साथ कारोबार बढ़ा और समूह ने ऑटोमोबाइल बिक्री, वाहन निर्माण, वित्तीय सेवाओं और कई औद्योगिक क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई। आज टीवीएस नाम देश के प्रमुख कारोबारी समूहों में शामिल है। इस विशाल कारोबार को परिवार की अलग-अलग शाखाओं ने मिलकर आगे बढ़ाया। राजम, कृष्णा, श्रीनिवासन और संथानम परिवार इसकी प्रमुख कारोबारी शाखाएं हैं।



लक्ष्मी का दावा... बेटा-बेटी बराबर

लक्ष्मी वेणु ने अपने नोटिस में हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 का हवाला देते हुए संयुक्त हिंदू परिवार की पैतृक संपत्ति में बेटियों के बराबर अधिकार का दावा किया है। उनकी मांग है कि परिवार की संपत्तियों और टीवीएस ट्रस्ट के तहत रखी गई संपत्तियों में भी उनके अधिकारों पर विचार किया जाए। दूसरी ओर, वेणु श्रीनिवासन ने मद्रास हाईकोर्ट में कैविएट दाखिल की है। इसका मतलब है कि इस विवाद में कोई याचिका दाखिल होने पर अदालत उनका पक्ष सुने बिना एकतरफा आदेश पारित न करे। इस पूरे विवाद में मल्लिका का बेटी के साथ खड़ा होना इसे और दिलचस्प बनाता है। हालांकि उन्होंने सभी संबंधित पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए पारदर्शी बातचीत और आपसी सहमति से समाधान निकलने की उम्मीद भी जताई है।

राजधानी में 66 प्रतिशत मरीज बढ़े..., अरेरा कॉलोनी, साकेत नगर और शक्ति नगर में सबसे ज्यादा मरीज; 15 दिन में 24 नए मरीज मिले

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट : पॉश कॉलोनियों से पुराने शहर तक फैला डेंगू

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में डेंगू का संक्रमण पिछले साल के मुकाबले तेजी से फैल रहा है। अरेरा कॉलोनी, साकेत नगर, शक्ति नगर, अशोका गार्डन और पुराने भोपाल से मरीज मिल रहे हैं। ठंड की शुरुआत के बावजूद नए मरीज मिलने का सिलसिला जारी है। स्वास्थ्य विभाग की शुक्रवार की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल अब तक 221 मरीज मिल चुके हैं, जबकि पिछले साल इस दौरान 133 मरीज मिले थे। यानी 88 मरीज और 66% की बढ़ोतरी हुई है। चिंता की बात यह है कि इस साल जांच भी करीब 30% कम हुई हैं। 2025 में 9,803 जांचों में 133 मरीज मिले थे, जबकि इस साल 6,905 जांचों में 221 संक्रमित सामने आए हैं। यानी कम जांच के बावजूद मरीजों की संख्या बढ़ी है।



नवंबर में पिछले साल से 6.5 गुना ज्यादा डेंगू के संक्रमित मरीज

19 नवंबर 19 नवंबर तक इस महीने 375 लोगों की जांच में 39 मरीज पॉजिटिव मिले हैं। पिछले साल इसी अवधि में 131 जांचों में केवल 6 संक्रमित मिले थे। यानी इस बार मरीजों की संख्या 550% ज्यादा है। संक्रमण दर भी पिछले साल के 4.58% से बढ़कर 10.4% हो गई है। मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी की रफ्तार भी करीब पांच गुना है। इस साल 4 से 19 नवंबर के बीच 197 से बढ़कर 221 मरीज हो गए। यानी 15 दिन में 24 नए मरीज मिले। पिछले साल इसी अवधि में 128 से बढ़कर 133 मरीज हुए थे। यानी केवल 5 नए मरीज मिले थे। इससे साफ है कि नवंबर में भी संक्रमण का फैलाव कम होने के बजाय लगातार बढ़ रहा है।

डेंगू के उलट मलेरिया और चिकनगुनिया में राहत

डेंगू के उलट मलेरिया और चिकनगुनिया के आंकड़े राहत देने वाले हैं। इस साल मलेरिया के 13 मरीज मिले हैं, जबकि पिछले साल 12 थे। वहीं चिकनगुनिया के मरीज 78 से घटकर 32 रह गए हैं। यानी इसमें करीब 59% की कमी आई है। डेंगू के मरीजों का लगातार मिलना बताता है कि पॉश कॉलोनियों से लेकर पुराने शहर तक सर्वे, दवा छिड़काव और घरों में जमा पानी की जांच जरूरी है। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि नगर निगम के साथ मिलकर डेंगू की रोकथाम के लिए जगह-जगह लार्वा चेकिंग और फॉगिंग की जा रही है।

10 हजार खाली प्लॉट भी बने मुसीबत

शहर में 10 हजार से ज्यादा खाली प्लॉट हैं। इनमें बारिश का पानी जमा होने से मच्छरों को पनपने का मौका मिल रहा है। समझाइश के बावजूद सफाई नहीं कराने वाले प्लॉट मालिकों पर नगर निगम ने कार्रवाई शुरू की है। वहीं बता दें कि अब तक 12 इलाके डेंगू की चपेट में आ चुके हैं। जिनमें लालघाटी, कोहेफिजा, जीएमसी, शहीद नगर, ईदगाह हिल्स, साकेत नगर, एम्स, पिपलिया पेंदे खां, बरखेड़ा, अयोध्या नगर, अशोका गार्डन और कटारा हिल्स में डेंगू का खतरा अधिक है।

इग्नोर न करें ये लक्षण

- अचानक तेज बुखार आना
- माथे या सिर में तेज दर्द
- आंखों के पीछे तेज दर्द जो हिलने पर बढ़े
- जोड़ों और मांसपेशियों में गंभीर दर्द
- जी मिचलाना और उल्टी होना
- अत्यधिक थकान और कमजोरी
- त्वचा पर लाल चकत्ते या रैश दिखना

रैपिड टेस्ट तुरंत देता है संकेत

डेंगू के शुरुआती संकेत के लिए रैपिड टेस्ट किया जाता है। तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर और जोड़ों में दर्द, कमजोरी, उल्टी और लाल चकत्ते जैसे लक्षणों में डॉक्टर डेंगू की आशंका मानकर इलाज शुरू कर सकते हैं। एलिजा से इसकी पुष्टि होती है। इसी प्रक्रिया के कारण अस्पतालों की वास्तविक स्थिति और सरकारी आंकड़ों में अंतर दिखाई देता है।

न्यूज विंडो

अब निजी कंपनी पानी आपूर्ति करेगी बिल ना भरने पर कनेक्शन काट सकेंगी

भोपाल। शहर की कॉलोनियों में पानी सप्लाई, पाइपलाइन के रखरखाव और जलकर वसूली का जिम्मा अब निजी एजेंसी संभालेगी। नगर निगम ने यह काम गजानंद सिक्योरिटी फोर्स प्रा. लिमिटेड को सौंपा है। नई व्यवस्था में निगम कंपनी को 17 रुपए प्रति हजार लीटर की दर से पानी देगा, जबकि कंपनी रहवासियों से 20 से 22 रुपए प्रति हजार लीटर वसूलेगी। बिल जमा नहीं करने वालों के नल कनेक्शन काटने का अधिकार भी कंपनी को होगा। हालांकि, यह व्यवस्था अनिवार्य नहीं है। जिन कॉलोनियों की रहवासी समितियां सहमत होंगी, वहीं इसे लागू किया जाएगा। नगर निगम के मुताबिक, कंपनी को मिलने वाला 3 से 5 रुपए प्रति हजार लीटर का अंतर पाइपलाइन लीकेज सुधारने, रखरखाव और कर्मचारियों पर खर्च होगा। एजेंसी ने कॉलोनियों में रहवासियों से संपर्क शुरू कर दिया है। जलकार्य विभाग के प्रभारी अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग ने बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले टेंडर हो चुका है। कॉलोनियों को मकानों की संख्या के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा गया है।

सिंधी पंचायत हर दो महीने में करेगी मां-बेटी सम्मेलन

भोपाल। सिंधी समाज में विवाह समारोहों के दौरान होने वाली कॉकटेल पार्टियों और प्री-वेडिंग शूटिंग जैसी परंपराओं को रोकने के लिए पूज्य सिंधी पंचायत जनजागरण अभियान चलाएगी। इसके तहत सोशल मीडिया के साथ हर दो माह में अलग-अलग क्षेत्रों में मां-बेटी सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इनमें समाज की शिक्षाविद्, अभिभाषक और समाजसेवी महिलाएं प्री-वेडिंग शूटिंग के सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक नुकसान बताएंगी। यह निर्णय पंचायत की दीपावली मिलन एवं साधारण सभा की बैठक में लिया गया। पंचायत के अनुसार, पांच साल से चल रही मृत्यु भोज बंद करने की मुहिम के सार्थक परिणाम मिले हैं। संत नगर में अब ऐसे आयोजन न के बराबर हो रहे हैं। नव युवक सभा स्कूल भवन में अध्यक्ष माधु चांदवानी की अध्यक्षता में बैठक हुई। उन्होंने समाज को सनातन संस्कृति, संस्कार व पारिवारिक मूल्यों से जोड़ने की अपील करते हुए कहा कि सोशल मीडिया और पंपलेट के माध्यम से भी जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।

पाटीदार समाज संगठन के चुनाव में रामचन्द्र बने अध्यक्ष

भोपाल। भोपाल पाटीदार समाज संगठन भोपाल महानगर की मुख्य, युवा और महिला इकाई के चुनाव शुक्रवार को अरेरा कॉलोनी स्थित वरिष्ठ नागरिक मंडल भवन में निर्विरोध संपन्न हुए। निर्वाचन अधिकारी रामकिशन मुकाती की अध्यक्षता में हुई प्रक्रिया में मुख्य संगठन के अध्यक्ष रामचन्द्र पाटीदार, महिला संगठन की अध्यक्ष पदमा पाटीदार व युवा संगठन के अध्यक्ष लवकुश पाटीदार चुने गए। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने समाज के विकास व धार्मिक-सामाजिक गतिविधियों को गति देने का संकल्प लिया। उज्जैन में समाज की खरीदी गई भूमि पर 100 कमरों की धर्मशाला बनाने का निर्णय लिया। इसे 2028 में सिंहस्थ से पहले पूरा कराने के लिए प्रदेश, जिला व भोपाल महानगर समितियां मिलकर प्रयास करेंगी।

देवउठनी ग्यारस पर भोपाल में एक्यूआई 70 अंक उछला

पटाखों ने बिगाड़ी सूबे की हवा 300 तक पहुंचा एक्यूआई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल में ग्यारस की आतिशबाजी के बाद हवा की गुणवत्ता पर असर दिखाई दिया है। शहर के तीनों प्रदूषण निगरानी केंद्रों पर एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में बढ़ोतरी दर्ज की गई। पर्यावरण परिसर में महज सात घंटे के भीतर एक्यूआई 195 से बढ़कर 265 पहुंच गया। यानी इसमें 70 अंकों का उछाल आया। टीटी नगर में भी प्रदूषण बढ़ा और एक्यूआई 206 से 247 हो गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि राजधानी के किसी भी निगरानी केंद्र पर हवा का स्तर 300 के पार नहीं पहुंचा। प्रदेश के दूसरे शहरों में स्थिति ज्यादा खराब रही। ग्यारस की आतिशबाजी के बाद सिंगरौली, पीथमपुर, ग्वालियर और सागर के चार निगरानी केंद्रों पर एक्यूआई 300 के पार पहुंच गया। सिंगरौली में यह 358 दर्ज किया गया, जो प्रदेश के निगरानी केंद्रों में सबसे अधिक रहा। 20 नवंबर शाम 4:30 बजे और 21 नवंबर रात 12 बजे के आंकड़ों की तुलना में यह बदलाव सामने आया है। शाम को प्रदेश के 26 निगरानी केंद्रों में से एक पर भी एक्यूआई 300 से ऊपर नहीं था, लेकिन रात 12 बजे तक चार केंद्र वेरी पुअर श्रेणी में पहुंच गए। वहीं, 200 से अधिक एक्यूआई वाले केंद्रों की संख्या भी 9 से बढ़कर 13 हो गई।



भोपाल के तीनों केंद्रों पर बढ़ा प्रदूषण

राजधानी में पर्यावरण परिसर में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई। यहां एक्यूआई 195 से बढ़कर 265 हो गया। टीटी नगर में 206 से बढ़कर 247 और ईदगाह हिल्स में 145 से बढ़कर 157 दर्ज किया गया। पर्यावरण परिसर और टीटी नगर में हवा की गुणवत्ता पुअर श्रेणी में बनी रही। खास बात यह है कि पर्यावरण परिसर और टीटी नगर दोनों जगह पीएम-2.5 प्रमुख प्रदूषक रहा। इसका मतलब है कि हवा में मौजूद बेहद छोटे कणों की मात्रा चिंता का विषय बनी हुई है।

सिंगरौली में सबसे ज्यादा बिगड़े हालात, सागर में भी बड़ा उछाल

प्रदेश में सबसे खराब स्थिति सिंगरौली की रही। सूर्यकिरण भवन केंद्र पर एक्यूआई 237 से बढ़कर 358 पहुंच गया। सात घंटे में 121 अंकों की वृद्धि दर्ज हुई। पीथमपुर के सेक्टर-2 औद्योगिक क्षेत्र में एक्यूआई 277 से बढ़कर 318 हो गया। ग्वालियर के महाराज बाड़ा में यह 230 से बढ़कर 304 दर्ज किया गया। सागर के दीनदयाल नगर में सबसे चौंकाने वाला बदलाव सामने आया। यहां शाम को एक्यूआई महज 85 था, जो रात 12 बजे तक बढ़कर 315 पहुंच गया।

हर शहर में एक जैसा नहीं रहा आतिशबाजी का असर

प्रदूषण के आंकड़ों में कुछ शहरों को राहत भी मिली। कटनी के गोल बाजार में एक्यूआई 265 से घटकर 117 रह गया। इंदौर के छोटी ग्वालटोली में यह 172 से घटकर 148 दर्ज हुआ। रीजनल पार्क में एक्यूआई 82 पर स्थिर रहा। मंडीदीप के सेक्टर-डी औद्योगिक क्षेत्र में भी यह 134 रहा।

पीएम-2.5 की मौजूदगी ने बढ़ाई चिंता

21 नवंबर रात 12 बजे के आंकड़ों में नौ शहरों के 16 निगरानी केंद्रों पर पीएम-2.5 प्रमुख प्रदूषक के रूप में दर्ज किया गया। इनमें भोपाल के पर्यावरण परिसर और टीटी नगर भी शामिल हैं। पीएम-2.5 के कण बेहद छोटे होते हैं और सांस के जरिए फेफड़ों के भीतर तक पहुंच सकते हैं। पटाखों के धुएं के अलावा वाहनों, औद्योगिक गतिविधियों और ईंधन जलने से भी ये कण हवा में पहुंचते हैं। ऐसे में प्रदूषण के स्तर में हुई पूरी बढ़ोतरी को केवल आतिशबाजी का नतीजा नहीं माना जा सकता, लेकिन ग्यारस की आतिशबाजी के बाद कई शहरों में हवा की गुणवत्ता में गिरावट जरूर दर्ज हुई है।

अफरा-तफरी मची, सुरक्षा का मुद्दा भी उठा

कीलनदेव टॉवर के 10वें फ्लोर पर लगी आग पेंटहाउस जलकर खाक

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एमपी नगर में बोर्ड ऑफिस के पास स्थित कीलन देव टावर में शुक्रवार रात अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। रात करीब 9:30 बजे टावर की दसवीं मंजिल पर आग की लपटें उठती देख रहवासी घबरा गए। कुछ ही देर में पूरी इमारत में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग से निकला धुआं आसपास के फ्लैटों में भरने लगा, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। टावर में लगी आग का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हुआ।

जानकारी के अनुसार, कीलन देव टावर के सी ब्लॉक में कुल 52 फ्लैट हैं। इसी इमारत की दसवीं मंजिल पर मेडिकल काउंसिल का गेस्ट हाउस भी है। वहीं, हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष ओम जैन इसी फ्लोर पर स्थित दूसरे पेंटहाउस में रहते हैं। आग लगने के बाद टावर के नीचे लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोग नीचे खड़े होकर आग की लपटों और धुएं का वीडियो बनाते नजर आए। इमारत के फ्लैटों में धुआं भरने के कारण दमकलकर्मियों को भी आग बुझाने के दौरान काफी मशक्कत करनी पड़ी।



पेंटहाउस में रखा सामान जलकर हुआ राख

आग की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से नगर निगम के फायर कंट्रोल रूम को दी गई। इसके बाद यातायात पार्क सहित अन्य फायर स्टेशनों से दमकल वाहन मौके के लिए रवाना किए गए। हालांकि, रहवासियों के बीच दमकल के देर से पहुंचने को लेकर चर्चा रही। आग की वजह से पेंटहाउस में रखा सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया।

हाइड्रोलिक सिस्टम की मदद से पाया गया काबू

नगर निगम के फायर ऑफिसर सौरभ कुमार पटेल ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही दमकल वाहनों को मौके पर रवाना कर दिया गया था। टावर में हाइड्रोलिक सिस्टम लगा होने के कारण आग पर काबू पाने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। दमकलकर्मियों ने पानी की मदद से आग को पूरी तरह बुझा दिया। आग कैसे लगी फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है, शॉर्ट सर्किट का अंदाजा लगाया जा रहा है।

भोपाल में तलैया थाने का मामला: पासपोर्ट नहीं होने के कारण डीआरआई ने पकड़ा था

सिपाही लेता रहा खर्राटे, डिटेंशन सेंटर से अफ्रीकी नागरिक फरार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

तलैया थाने की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही सामने आई है। पासपोर्ट संबंधी मामले में डिटेंशन सेंटर में रखा गया सेनेगल का नागरिक सैमुअल डियोप पुलिस निगरानी से फरार हो गया। घटना रात गुरुवार-शुक्रवार रात करीब 3:20 बजे की है। जिस समय विदेशी नागरिक भागा, उस दौरान ड्यूटी पर तैनात सिपाही सो रहा था। मामले में लापरवाही बरतने वाले सिपाही को निलंबित कर दिया गया है।



तलाश में जुटी पुलिस

ऐसे में उसके लिए तलैया थाने में बनाए गए डिटेंशन सेंटर में रखा गया था। सुरक्षा के लिए एक सिपाही को लाइन से तैनात किया था। रात करीब 3:20 बजे निगरानी में चूक के दौरान वह सेंटर से फरार हो गया। घटना के बाद थाने की सुरक्षा व्यवस्था और ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मी की जिम्मेदारी पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस अब फरार विदेशी नागरिक की तलाश कर रही है।

पासपोर्ट न होने पर पकड़ा था

सैमुअल को डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने भोपाल में ट्रेन से पकड़ा था। उसके पास पासपोर्ट नहीं होने की जानकारी सामने आने के बाद उसे छह नवंबर को तलैया थाने के डिटेंशन सेंटर में रखा गया था। डीसीपी जोन-3 आयुष गुप्ता ने बताया कि चूंकि वह आरोपित नहीं था, इसलिए उसे सामान्य लॉकअप में हथकड़ी लगाकर नहीं रखा जा सकता था।

दो साल से फरार थे संदीप और संगीता ममतानी

50 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोपी पति-पत्नी गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर थाना पुलिस ने शुक्रवार देर रात करीब 50 करोड़ रुपये की बड़ी धोखाधड़ी के आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों की पहचान संदीप ममतानी और उसकी पत्नी संगीता ममतानी के रूप में हुई है। यह दंपती पिछले करीब दो साल से लगातार फरार चल रहा था। इन दोनों आरोपियों के खिलाफ मकान के फर्जी दस्तावेज तैयार करके लोन हासिल करने और भारी राशि का गबन करने के गंभीर आरोप लगे हैं। प्रॉपर्टी डीलर योगेश सूद की शिकायत के आधार पर दो साल पहले भोपाल के अयोध्या नगर पुलिस थाने में दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी की प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद से ही दोनों पति-पत्नी पुलिस की पकड़ से दूर और फरार चल रहे थे। शिकायतकर्ता का दावा है कि उनकी दी गई सूचना पर ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को हिरासत में लिया है।

मेट्रो एंकर

मध्य प्रदेश में वर्ष 2021 से 2025 के बीच उत्तीर्ण विद्यार्थियों का रिकॉर्ड होगा अपलोड

35 लाख विद्यार्थियों को राहत, डिजीलॉकर पर मिलेंगी डिग्री-मार्कशीट, 31 जनवरी 27 तक रिकॉर्ड अपलोड करने के निर्देश

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों से वर्ष 2021 से 2025 के बीच उत्तीर्ण हुए करीब 30 से 35 लाख विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। तकनीकी बाध्यताओं के कारण डिजीलॉकर और एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) पोर्टल पर अपलोड नहीं हो सकीं अंकसूची, डिग्री और क्रेडिट अब उपलब्ध कराए जाएंगे। इस व्यवस्था के शुरू होने से स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा के विद्यार्थियों को अपने महत्वपूर्ण शैक्षणिक दस्तावेज डिजिटल रूप में प्राप्त करने में आसानी होगी।



रिकॉर्ड अपलोड करने के निर्देश

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी संबंधित शिक्षण संस्थानों को लंबित रिकॉर्ड जल्द अपलोड करने के सख्त निर्देश दिए हैं। इस निर्णय का सीधा लाभ प्रदेश के 19 विश्वविद्यालयों, निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग तथा स्वशासी महाविद्यालयों से पढ़ाई पूरी करने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा। मध्य प्रदेश में यह सुविधा शुरू हो चुकी है और 31 जनवरी 2027 तक उपलब्ध रहेगी। संस्थानों द्वारा रिकॉर्ड अपलोड किए जाने के बाद स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा विद्यार्थियों की अंकसूची व डिग्री अपार आईडी से लिंक होकर डिजीलॉकर पर उपलब्ध हो सकेंगी।

सत्यापन और प्रवेश में आसानी

इस सुविधा से विद्यार्थियों को नौकरियों में आवेदन, उच्च शिक्षा में प्रवेश, क्रेडिट ट्रांसफर तथा दस्तावेज सत्यापन के लिए बार-बार विश्वविद्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि 31 जनवरी के बाद समय-सीमा नहीं बढ़ाई जाएगी। तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए सोमवार से शुक्रवार दोपहर 2:30 से शाम 5 बजे तक वर्चुअल हेल्प सेशन आयोजित किए जा रहे हैं। डिजीलॉकर या अपार आईडी में डेटा अपडेट नहीं होने पर विद्यार्थी हेल्पलाइन नंबर 1800-889-3511 पर संपर्क कर सकते हैं।

तकनीकी बाध्यता से अटका डेटा

केंद्र सरकार के जोनल कोऑर्डिनेटर अभिनव शर्मा के अनुसार शैक्षणिक वर्ष की पाबंदी के कारण संस्थान नवंबर 2025 से परीक्षा वर्ष 2021 से 2024 का डेटा अपलोड नहीं कर पा रहे थे। इसके बाद जून 2026 से परीक्षा वर्ष 2025 का डेटा अपलोड होना भी बंद हो गया था। संस्थानों के पास सारा रिकॉर्ड उपलब्ध होने के बावजूद विद्यार्थियों को डिजिटल मार्कशीट और डिग्री नहीं मिल पा रही थीं। इसके साथ ही विद्यार्थियों को एबीसी खाते में शैक्षणिक क्रेडिट जुड़वाने में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

25 नवंबर से 20 दिनों के लिए ट्रैफिक डायवर्जन

रोशनपुरा से राजभवन तक बंद रहेगा मार्ग, मेट्रो कार्य के कारण बदलेगा रूट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल मेट्रो के निर्माण कार्य के चलते 25 नवंबर से रोशनपुरा चौराहा से राजभवन तिराहे तक 20 दिनों के लिए ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। रोशनपुरा से मुगल बाजार, जहांगीराबाद (जैन मंदिर) तक निर्माण कार्य तीन चरणों में किया जाना है। पहले चरण में रोशनपुरा से राजभवन तिराहे तक काम होगा। इसके बाद राजभवन से कंट्रोल रूम तिराहा और तीसरे चरण में कंट्रोल रूम से मुगल बाजार, जहांगीराबाद चौराहे तक निर्माण किया जाएगा।

इन मार्गों से गुजरेंगे वाहन

परिवर्तित मार्ग: रोशनपुरा से राजभवन (गांधी पार्क तिराहा) की ओर जाने वाले वाहन बाणगंगा चौराहा, केएन प्रधान तिराहा और मछलीघर होकर निकल सकेंगे।

वैकल्पिक मार्ग: लिंक रोड-1 से अंकुर स्कूल, रमेश टेलर और नरेश बटन भंडार होकर रोशनपुरा पहुंचा जा सकेगा।

विधानसभा, मंत्रालय और बिरला मंदिर जाने वाले वाहन: एमएल रेस्ट हाउस, मालवीय नगर तिराहा से गांधी पार्क तिराहा होकर मछलीघर से निकल सकेंगे। इस मार्ग की सड़क संकरी होने के कारण केवल दोपहिया और चारपहिया वाहन ही चलेंगे।

बड़े और मध्यम वाहन: रोशनपुरा चौराहा और बाणगंगा होकर अपने गंतव्य तक जा सकेंगे।

25 नवंबर से लागू होगी नई व्यवस्था

मध्य प्रदेश में अब बिना क्वालिटी सर्टिफिकेट नहीं बिकेगी शराब

भोपाल। मध्य प्रदेश में आगामी 25 नवंबर से प्रदेश की किसी भी दुकान पर बिना गुणवत्ता प्रमाण-पत्र (क्वालिटी सर्टिफिकेट) के देसी या विदेशी शराब की आपूर्ति और बिक्री नहीं की जा सकेगी। प्रदेश में जहरीली और अमानक शराब की बिक्री और उससे मौतों की लगातार बढ़ती



घटनाओं को देखते हुए अब आबकारी आयुक्त दीपक कुमार सक्सेना ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। प्रदेश की सभी मदिरा विनिर्माण इकाइयों (प्रोडक्शन यूनिट) के लिए हर बैच की रासायनिक जांच कराना अनिवार्य कर दिया गया है। इकाई की प्रयोगशाला में तय मानकों पर खरा उतरने और मानव उपभोग के योग्य होने का प्रमाण-पत्र मिलने के बाद ही शराब की खेप फैक्ट्री से बाहर निकाली जा सकेगी। देसी मदिरा के साथ-साथ विदेशी स्पिरिट और बीयर की हर खेप के साथ रासायनिक जांच रिपोर्ट संलग्न करना जरूरी होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी भंडारगृह (वेयरहाउस) में पहुंचने वाली खेप के साथ गुणवत्ता प्रमाण-पत्र नहीं पाया जाता है, या वह अधूरा व संदिग्ध प्रतीत होता है, तो ऐसी शराब को तुरंत अलग कर सुरक्षित रखा जाएगा।

अस्पतालों में दिव्यांगों की पार्किंग फ्री

किराए में 50% छूट न देने पर छह जिलों के बस संचालकों पर होगी कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश में दिव्यांगजनों को मिलने वाली सुविधाओं और उनके अधिकारों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आयुक्त दिव्यांगजन कार्यालय ने निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में दिव्यांगजनों से पार्किंग शुल्क नहीं लिया जाएगा। वहीं, यात्री बसों में 50 प्रतिशत किराए की छूट नहीं देने और दिव्यांगजनों से अभद्रता करने वाले बस संचालकों के खिलाफ परिवहन विभाग के माध्यम



से कार्रवाई की जाएगी। आयुक्त दिव्यांगजन कार्यालय को मिली शिकायतों के बाद इंदौर, भोपाल, राजगढ़, खरगोन, भिंड और ग्वालियर के परिवहन अधिकारियों को दोषी बस संचालकों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी इंदौर ने भोपाल आरटीओ को पत्र लिखा है। इसमें खिलचीपुर से इंदौर मार्ग पर चलने वाली माँ वैष्णो ट्रेवल्स की बस के संचालक पर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया है। शिकायत के मुताबिक, बस के परिचालक दिव्यांगजनों से पूरा किराया वसूल रहे थे। उनके साथ अभद्रता करने के साथ दिव्यांगता का उपहास भी किया जा रहा था। यह शासन के आदेशों और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के प्रावधानों का उल्लंघन है।

ग्वालियर में यंग थिंकर्स कॉन्फ्लुएंस-2026 का आगाज, सीएम बोले-

युवा लक्ष्य पर फोकस करें और दुनिया से आगे निकलें

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युवा ही देश और समाज में बदलाव के सबसे बड़े वाहक हैं। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा तथा नवाचारी सोच देश की सबसे बड़ी पूंजी है। जरूरत है कि युवा अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्र रहें, अपनी योग्यता बढ़ाएं और प्रतिस्पर्धा में दुनिया से आगे निकलने का संकल्प लें। शुक्रवार को ग्वालियर स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान में तीन दिवसीय यंग थिंकर्स कॉन्फ्लुएंस-2026 के आठवें संस्करण का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को सही दिशा और अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। देवोत्थान एकादशी और तुलसी विवाह की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अवसर नए विचारों और संकल्पों के साथ स्वयं जागने तथा समाज को जागृत करने का भी है। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए युवाओं को अभी से तैयार होना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तीन दिवसीय आयोजन में देश के 26 राज्यों से चयनित लगभग 350 युवा विद्वान, कलाकार, लेखक और उपलब्धि हासिल करने वाले प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा, दर्शन और समकालीन विषयों सहित 300 से अधिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। पंजीयन और चयन प्रक्रिया से चुने गए युवाओं के विचार विकसित भारत के संकल्प को नई दिशा देंगे। उन्होंने कहा कि भारत की विशेषता है कि यहां अलग-अलग विचारों और धारणाओं का स्वागत किया जाता है।



अगले साल युवा वर्ष, सरकार देगी नए अवसर

डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अगले वर्ष को युवा वर्ष घोषित किया है। युवाओं की ऊर्जा, कौशल, हुनर, कार्यक्षमता और नवाचारी सोच का उपयोग मध्यप्रदेश के विकास में किया जाएगा। इसके लिए उन्हें हरसंभव अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। युवा वर्ष में युवाओं के कल्याण और विकास से जुड़े प्रयासों को योजनाबद्ध तरीके से और गति दी जाएगी।

मंदिर स्थापत्य और ज्ञान परंपरा की लगाई प्रदर्शनी

मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल पर मंदिर स्थापत्य, बंगाल नरसंहार और भारतीय विचारकों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। पुस्तक मेले का शुभारंभ करने के बाद विभिन्न प्रकाशकों के स्टॉलों का अवलोकन किया और ज्ञानवर्धक पुस्तकें भी खरीदीं। उन्होंने लेखक श्रीकृष्ण श्रीवास्तव की पुस्तक अल्लामा इकबाल के दो चेहरेका विमोचन भी किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के उपाध्यक्ष पद्मश्री प्रो. डॉ. भरत गुप्त, एलएनआईपीई की कुलपति प्रो. कल्पना शर्मा, वरिष्ठ प्रचारक एवं लेखक श्रीधर पराड़कर, यंग थिंकर्स फोरम के निदेशक आशुतोष सिंह ठाकुर और अभिनेता पीयूष मिश्रा सहित देशभर से आए युवा चिंतक एवं विद्वान उपस्थित रहे।

भोपाल नगर निगम की खस्ताहाल व्यवस्था पर खड़े हुए सवाल

230 किमी पेयजल नेटवर्क पर मंडरा रहा सीवर का खतरा, पाईपलाइन असुरक्षित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शहर के हजारों घरों में पहुंचने वाले पेयजल की शुद्धता पर अब पाइपलाइन नेटवर्क की खस्ताहाल व्यवस्था सवाल खड़े कर रही है। नगर निगम के सर्वे में करीब 230 किलोमीटर ऐसी पेयजल पाइपलाइन चिह्नित हुई हैं, जिनके आसपास सीवर की लाइनें बिछी हुई हैं। दोनों नेटवर्क के बीच बेहद कम दूरी होने से किसी एक पाइपलाइन में लीकेज या दरार आने पर सीवर का गंदा पानी पेयजल सप्लाई में मिलने का खतरा बना हुआ है। चिंताजनक बात यह है कि नगर निगम अब तक इनमें से सिर्फ 22 किलोमीटर पाइपलाइन ही दूसरी जगह शिफ्ट कर पाया है, जबकि करीब 200 किलोमीटर नेटवर्क को सुरक्षित करना बाकी है। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों के बाद प्रदेशभर में जलापूर्ति व्यवस्था की पड़ताल शुरू हुई तो भोपाल में भी पेयजल नेटवर्क की गंभीर खामियां सामने आईं। अब निगम ने अगले साल तक शेष काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

शहर के कई इलाकों में पेयजल की पाइपलाइन करीब 15 से 20 साल पहले बिछाई गई थीं। उस समय इन रास्तों के आसपास सीवर नेटवर्क मौजूद नहीं था। बाद में आबादी बढ़ने, नई कॉलोनियां विकसित होने और सीवरेज व्यवस्था के विस्तार के साथ इन्हीं मार्गों के आसपास सीवर लाइनें भी बिछा दी गईं। इससे दोनों नेटवर्क कई स्थानों पर समानांतर हो गए। कुछ जगह पेयजल और सीवर पाइपलाइन के बीच महज दो से तीन मीटर का अंतर रह गया है। ऐसे में पुरानी पाइपलाइन में टूट-फूट या रिसाव होने पर दूषित पानी के पेयजल नेटवर्क में प्रवेश करने की आशंका बनी रहती है।



वैशाली नगर में ई-कोलाई मिलने से खुली पोल

भोपाल में पेयजल की गुणवत्ता को लेकर चिंता वैशाली नगर में पानी के नमूने में ई-कोलाई बैक्टीरिया मिलने के बाद और बढ़ गई है। इस घटना ने जलापूर्ति व्यवस्था की निगरानी और पाइपलाइनों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए। ई-कोलाई की मौजूदगी पानी में मलजनित प्रदूषण की आशंका का संकेत हो सकती है। ऐसे में केवल पानी के नमूनों की जांच करना पर्याप्त नहीं है।

22 किमी काम पूरा, बाकी नेटवर्क अगले साल तक होगा

नगर निगम ने सर्वे में चिह्नित 230 किलोमीटर संवेदनशील नेटवर्क को सुरक्षित करने की योजना बनाई है। पहले चरण में अलग-अलग क्षेत्रों में 22 किलोमीटर पेयजल पाइपलाइन शिफ्ट की जा चुकी है। शेष करीब 200 किलोमीटर पाइपलाइन पर काम होना है। इसके अलावा 15 साल से अधिक पुरानी पाइपलाइनों को भी उनकी स्थिति के अनुसार बदला जा रहा है। निगम का दावा है कि अगले साल तक शेष काम पूरा कर लिया जाएगा। हालांकि, काम की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए इतनी बड़ी लंबाई के नेटवर्क को समय पर सुरक्षित करना बड़ी चुनौती होगी। पहले चरण में शहर के 21 जोन में अलग-अलग स्थानों पर पाइपलाइन शिफ्टिंग की गई है। इसमें रामनगर, दुर्गा नगर, ईदगाह हिल्स, शाहजहांनाबाद, टीला जमालपुरा, नेहरू नगर, कोटरा सुल्तानाबाद, जहांगीराबाद, गुलमोहर, बावड़िया कलां, बरखेड़ा पठानी, सोनागिरी और दामखेड़ा सहित कई क्षेत्र शामिल हैं। जोनवार आंकड़ों में जोन-2 में सर्वाधिक 4,005 मीटर पाइपलाइन शिफ्ट की गई है। जोन-8 में 2,940 मीटर और जोन-17 में 2,061.25 मीटर काम हुआ है। वहीं जोन-13 में 1,554 मीटर, जोन-14 में 1,435 मीटर और जोन-1 में 1,326 मीटर पाइपलाइन शिफ्ट की गई है।

दो जोन का ब्योरा नहीं, अधूरा सामने आया काम

नगर निगम के उपलब्ध आंकड़ों में जोन-1 से 10 और जोन-13 से 21 तक की जानकारी दी गई है, लेकिन जोन-11 और 12 का विवरण उपलब्ध नहीं है। इससे पहले चरण में हुए काम की पूरी जोनवार तस्वीर स्पष्ट नहीं होती। जलकार्य विभाग के अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग के अनुसार, करीब 15 साल पुरानी पेयजल पाइपलाइनों को बदलने का काम जारी है। अब तक लगभग 22 किलोमीटर पाइपलाइन बदली या शिफ्ट की जा चुकी है। शेष नेटवर्क को भी क्षेत्र की जरूरत और पाइपलाइन की स्थिति के आधार पर सुरक्षित किया जाएगा।

आवेदन के 30 दिन में मिलेगा फैसला

पेट्रोल-डीजल कारोबारियों को बड़ी राहत, 8 दिसंबर तक निपटा सकेंगे पुराने टैक्स केस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पेट्रोल-डीजल और सीएनजी का कारोबार करने वाले व्यापारियों के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने राहत का रास्ता खोला है। वाणिज्यिक कर विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लंबित कर निर्धारण मामलों के निराकरण के लिए विशेष योजना लागू की है। इसके तहत निर्धारित शर्तें पूरी करने वाले पेट्रोल पंप संचालक और पेट्रोलियम उत्पादों के पंजीकृत कारोबारी अपने पुराने टैक्स प्रकरणों का निपटारा करा सकेंगे। योजना 8 सितंबर से प्रभावी है और इसके लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख 8 दिसंबर निर्धारित की गई है। सरकार की इस पहल से उन कारोबारियों को राहत मिलने की उम्मीद है, जिनके कर निर्धारण के मामले लंबे समय से विभाग में लंबित हैं। योजना का लाभ उन्हीं पंजीकृत कारोबारियों को मिलेगा, जिन्होंने देय कर और उपकर का भुगतान करने के बाद अधिसूचित तेल कंपनियों अथवा अन्य पंजीकृत व्यापारियों से मध्य प्रदेश के भीतर पेट्रोल, डीजल और संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की खरीद की है। साथ ही उनके खुदरा बिक्री केंद्र यानी पेट्रोल पंप संचालित होना जरूरी है। निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाले कारोबारी ही इस विशेष व्यवस्था के तहत आवेदन कर सकेंगे। इस योजना में मध्य प्रदेश मूल्य संवर्धित कर अधिनियम, केंद्रीय विक्रय कर अधिनियम, मध्य प्रदेश मोटर स्पिरिट उपकर अधिनियम और मध्य प्रदेश हाई स्पीड डीजल स्पिरिट उपकर अधिनियम के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लंबित कर निर्धारण प्रकरण शामिल किए गए हैं।

टैक्स चोरी-बकाया वालों को बाहर रखा

सरकार ने योजना का लाभ देने के लिए पात्रता की शर्तें भी सख्त रखी हैं। जिन कारोबारियों के वर्ष 2024-25 के मामलों में टैक्स चोरी सामने आई है, वे इसके दायरे में नहीं आएंगे। इसी तरह जिन व्यापारियों को अतिरिक्त कर जमा करने का नोटिस जारी हुआ है और उन्होंने आवेदन से पहले संबंधित राशि जमा नहीं की है, उन्हें भी राहत नहीं मिलेगी। इसके अलावा कर पुनरीक्षण के दौरान धारा 19(6) के तहत जारी सूचना का पालन नहीं करने वाले और संबंधित अधिनियमों के तहत रिफंड का दावा करने वाले प्रकरण भी योजना से बाहर रहेंगे। पात्र कारोबारियों को अधिसूचना जारी होने के 90 दिनों के भीतर आवेदन करना होगा। इसके लिए विभाग ने तीन प्रकार के आवेदन प्रपत्र निर्धारित किए हैं।

जल्द जारी होंगे नए परमिट

एमपी में 280 नए रूट पर दौड़ेंगी बसें, पांच राज्यों के लिए खुलेंगे नए रास्ते

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की बस परिवहन व्यवस्था को सुगम और तेज बनाने की दिशा में राज्य सरकार को बड़ी कानूनी सफलता मिली है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने राज्य परिवहन प्राधिकरण के पुनर्गठन को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत के इस निर्णय से प्राधिकरण के कामकाज पर लगी अंतरिम रोक हट गई है। अब प्राधिकरण नए परमिट जारी करने, पुराने परमिटों के नवीनीकरण और नए बस मार्ग तय करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य फिर से शुरू कर सकेगा।

न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया और न्यायमूर्ति अनुराधा शुक्ला की युगलपीठ ने हरिशंकर सिंह पटेल एवं अन्य बनाम मध्य प्रदेश शासन (रिट याचिका क्रमांक 15560/2026) के मामले में यह आदेश पारित किया। पीठ ने राज्य सरकार द्वारा 10 अगस्त 2026 को जारी की गई अधिसूचना को पूरी तरह वैध और कानून के अनुरूप करार दिया है। इस फैसले के साथ ही प्राधिकरण के गठन पर सवाल उठाने वाली याचिका निरस्त कर दी गई।

प्राधिकरण के पुनर्गठन को लेकर दायर इस याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने पूर्व में 16 जून और 20 अगस्त 2026 को अंतरिम स्थगन (स्टे) दिया था। इस रोक की वजह से प्राधिकरण की वैधानिक गतिविधियां ठप पड़ी थीं। अंतिम सुनवाई में सरकार की ओर से मोटरयान अधिनियम 1988 के नियमों के तहत अपनी दलीलें पेश की गईं। दोनों पक्षों के तर्क सुनने के बाद कोर्ट ने पूर्व के स्थगन आदेशों को समाप्त कर दिया।



परमिट और रूट विस्तार के कामों में आएगी तेजी

अदालती बाधा दूर होने के बाद अब राज्य परिवहन प्राधिकरण के पास अपनी वैधानिक शक्तियों का उपयोग करने का रास्ता साफ हो गया है। इसके तहत अब स्थायी व अस्थायी परमिट जारी करने, परमिट नवीनीकरण (रिन्यूअल), प्रतिहस्ताक्षर (काउंटर सिग्नेचर), मार्ग विस्तार और पुराने वाहनों के स्थान पर नए वाहन लगाने की अनुमति दी जा सकेगी। इसके अतिरिक्त, नियमों के उल्लंघन पर परमिट निरस्त करने और विभिन्न परिवहन क्षेत्रों के बीच के विवादों को सुलझाने की प्रक्रिया भी गति पकड़ेगी।

पांच पड़ोसी राज्यों के लिए फिर खुलेंगे अंतर्राज्यीय रूट

प्राधिकरण पर रोक लगे होने के कारण पड़ोसी राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ के लिए अंतर्राज्यीय बस परमिट जारी करने और रिन्यू करने का काम रुका हुआ था। अब पारस्परिक परिवहन समझौतों के तहत इन पांचों राज्यों के निर्धारित मार्गों पर परमिट जारी हो सकेंगे, जिससे बस ऑपरेटरों और यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

मप्र में बिजली आउटसोर्स कर्मियों को मिलेगा 10 प्रतिशत इंसेंटिव

नियमित भर्ती में 50% आरक्षण पर विचार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर सामने आई है। उन्हें जल्द ही ग्रेच्युटी, जोखिम भत्ता और लीव इनकैशमेंट जैसी सुविधाएं मिल सकती हैं। इसको लेकर गुरुवार को मंत्रालय में अहम बैठक हुई, जिसमें कई मांगों पर सैद्धांतिक सहमति बन गई। जनता यूनियन एवं बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव मनीष सिंह से मुलाकात की। इस दौरान 34 सूत्रीय मांगों पर करीब 45 मिनट तक चर्चा हुई। बैठक में कर्मचारियों की कई पुरानी मांगों पर सकारात्मक रुख देखने को मिला।

ग्रेच्युटी और लीव इनकैशमेंट पर सहमति

बैठक में प्रमुख सचिव ने पांच वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मियों को ग्रेच्युटी देने पर सहमति जताई। इसके साथ ही शेष पांच बिजली कंपनियों में लीव इनकैशमेंट लागू करने पर भी सहमति बनी है। इससे लंबे समय से काम कर रहे कर्मचारियों को सीधा फायदा होगा।

मध्य प्रदेश में बांस उद्योग लगाने का सुनहरा मौका

सरकार देगी 25 से 50 फीसदी तक अनुदान, बैंक के जरिए मिलेगा लाभ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश सरकार स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही है। इसी कड़ी में बांस आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया गया है। इससे जुड़े उद्योगों की स्थापना करने पर लागत का 25 से 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा।

इसमें उद्यमी को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत लगाना होगा एवं शेष राशि बैंक ऋण के रूप में मिलेगी। उद्यमियों को ऋण लेने के लिए सीधे अपने जिले के बैंक में परियोजना



प्रस्तुत करनी होगी। यह योजना बैंक के माध्यम से ही क्रियान्वित की जाएगी। राज्य बांस मिशन या संबंधित वनमंडल कोई प्रोजेक्ट सीधे स्वीकार नहीं करेगा।

डिपो, गोडाउन और रिटेल आउटलेट पर 25% अनुदान- मध्य प्रदेश बांस मिशन द्वारा जो नई योजना शुरू की गई है, उसमें अलग-अलग कामों के लिए अलग-अलग अनुदान का प्रविधान किया गया है। बांस के डिपो एवं गोडाउन की स्थापना पर 60 लाख रुपये के प्रोजेक्ट पर 25 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। यह अधिकतम 15 लाख रुपये होगा। इसी तरह यूनिट बैंबू बाजार, बैंबू हाट, रिटेल आउटलेट बनाने पर 25 लाख रुपये की परियोजना लागत पर 25 प्रतिशत अनुदान मिलेगा, जो अधिकतम सवा छह लाख रुपये होगा।

मेट्रो एंकर

सिंहस्थ 2028 में मोबाइल नेटवर्क नहीं होगा जाम,

12 नए टावर और 122 जगह बनेंगे अस्थायी स्टेशन

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

सिंहस्थ-2028 के समय एक साथ लाखों लोगों की कॉल, इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं को संभालना सबसे बड़ी चुनौती होगी। इससे निपटने के लिए अभी से दूरसंचार कंपनियों और प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। मेला क्षेत्र में 12 नए मोबाइल टावर लगाने और जरूरत के अनुसार 122 मोबाइल टावर ऑन व्हील्स (सीओडब्ल्यू) तैनात करने की प्रक्रिया शुरू की है। रेलवे स्टेशन और प्रमुख स्थानों पर भी अतिरिक्त नेटवर्क व्यवस्था रहेगी। नई और चौड़ी हो रही सड़कों के डिवाइडर में ऑप्टिकल फाइबर की डक्ट बिछाई जा रही है, ताकि सिंहस्थ में नेटवर्क पर दबाव कम किया जा सके।

2016 में थी 2जी-3जी की व्यवस्था, अब मिलेगी 4जी-5जी सेवा



मालूम हो कि मेला क्षेत्र में भीड़ बढ़ते ही नेटवर्क जाम होने, कॉल ड्रॉप होने और इंटरनेट की रफ्तार घटने की आशंका रहती है। वर्ष 2016 के सिंहस्थ में 2जी-3जी नेटवर्क के सहारे संचार व्यवस्था संचालित हुई थी। इस बार 2028 में श्रद्धालुओं को 4जी-5जी सेवाएं उपलब्ध होंगी। सिंहस्थ-2028 की संचार व्यवस्था को लेकर संभागायुक्त आशीष सिंह ने बुधवार को बीएसएनएल, रिलायंस जियो, एयरटेल और इंडस टावर कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक की।

इसमें मोबाइल नेटवर्क की क्षमता, उपकरण लगाने के स्थान और ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क बिछाने की तैयारियों की समीक्षा की गई। संभागायुक्त ने कहा कि सिंहस्थ के दौरान मोबाइल सेवाओं में नेटवर्क कंजेशन यानी एक साथ अधिक उपयोगकर्ताओं के कारण नेटवर्क जाम होने की स्थिति नहीं बननी चाहिए। इसके लिए प्रतिदिन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या के अनुसार कंपनियां अपनी नेटवर्क क्षमता बढ़ाने की योजना तैयार करें। रेलवे स्टेशन पर दो सेल ऑन व्हील लगाने की योजना बनाई जा रही है। ये मौजूदा स्थायी नेटवर्क व्यवस्था के अतिरिक्त होंगे। आसपास विकसित होने वाले फ्लैग स्टेशनों पर भी इसी तरह की व्यवस्था की जाएगी।

सड़कों के बीच से गुजरेगी फाइबर लाइन

सिंहस्थ की तैयारियों के तहत शहर में बन रही नई सड़कों और चौड़ीकरण वाले मार्गों पर ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क के लिए भी अभी से जगह आरक्षित की जाएगी। संभागायुक्त ने निर्माण एजेंसियों के इंजीनियरों को निर्देश दिए कि सड़क के मीडियन एरिया में छह इंच के पाइप अनिवार्य रूप से डाले जाएं। इनमें भविष्य में ऑप्टिकल फाइबर लाइन बिछाई जा सकेगी। इससे बार-बार सड़क खोदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मेला क्षेत्र के डिजिटल मैप में ऑप्टिकल फाइबर लाइनों की अलग-अलग रंगों से कोडिंग की जाएगी, ताकि नेटवर्क का पूरा रूट स्पष्ट रहे। नई जगह उपकरण लगाने और पुराने टावर शिफ्ट करने की अनुमति भी तय समयसीमा में मिलेगी। इसके लिए नगर निगम को केंद्रीय सिस्टम तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला लोक सेवा प्रबंधक बिंदू डोडिया कंपनियों को मेला प्लान और जरूरी जानकारियां उपलब्ध कराएंगी।

कथनी और करनी में अंतर

कितने कमाल की खबर है ना कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, रुस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एक स्वर में वैश्विक शांति की जरूरत पर जोर दिया है। ये तीनों चीन के शेनझेन में आयोजित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन में एकत्रित हुए थे। ट्रम्प ने परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने, हथियारों की संख्या घटाने पर चर्चा करने और ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने की बात की। पुतिन ने कहा कि रुस, अमेरिका और चीन की यह साझा जिम्मेदारी है कि वे अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखें। शी जिनपिंग बोले कि तीनों देशों को मिलकर वैश्विक शांति और स्थिरता की रक्षा करनी चाहिए। कोई भी समझदार व्यक्ति ऐसी ही बातें करेगा। करनी भी चाहिए लेकिन इन तीनों नेताओं को एक बार अपने गिरेबां में झांक लेना चाहिए कि उनकी कथनी और करनी में कितना बड़ा अंतर है। इस वक्त दुनिया की शांति के लिए खतरा किसने पैदा कर रखा है? अमेरिका ने न जाने कितने देशों को तबाह कर दिया। जो भी उसकी बात नहीं सुनता है, अमेरिका उसकी शांति खत्म कर देता है। सद्दाम हुसैन पर जहरीले रसायन वाले हथियार रखने का आरोप लगा कर इराक पर हमला कर दिया। उस देश को तबाह कर देने और सद्दाम को मौत के फंदे पर लटका देने के बावजूद क्या रासायनिक जहर का एक कतरा भी अमेरिका ढूंढ़ पाया? वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को उनके देश से अगवा कर लिया। आरोप है मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी। लेकिन दुनिया जानती है कि ट्रम्प ने वेनेजुएला की पेट्रोलियम संपत्ति पर कब्जे के लिए यह कार्रवाई की ! ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं। अफगानिस्तान को तबाह कर दिया और फिर तालिबानियों के कब्जे में देकर भाग गया। अब रूस की बात करिए। उसने अपने पड़ोसियों का जीना हराम कर रखा है। ताजा उदाहरण यूक्रेन का है। बिना किसी खास कारण के रुस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। हजारों-हजार लोग मारे जा चुके हैं और लाखों बेघर हो गए हैं। वास्तव में रूस के हमले से वह देश तबाह हो चुका है। उसका बहुत बड़ा इलाका रुसी कब्जे में है और ट्रम्प उसी से कह रहे हैं कि रूस से समझौता कर लो ! और शी जिनपिंग क्या कर रहे हैं? भारत की सीमा को उन्होंने अशांत कर रखा है। भारत ने कई बार कहा कि सीमा विवाद को लेकर बात हो जाए। एक बार सारा मामला ही निपट जाए लेकिन नहीं। चीन को तो सीमा को अशांत बनाए रखना है। पाकिस्तान को उसने अपनी गोद में केवल इसलिए बिठाया ताकि भारत को परेशान किया जा सके। आज भले ही तकनीकी और आर्थिक क्षेत्र में भारत काफी पीछे है लेकिन भारत की हर तरक्की उसे खल रही है। उसे पता है कि भविष्य में यदि कोई उसे चुनौती देगा तो वह भारत ही हो सकता है। जिनपिंग ने ताइवान पर कब्जा करने की पूरी तैयारी कर रखी है। बार-बार ताइवान को धमकाया जा रहा है। कहने का आशय यह है कि ट्रम्प, पुतिन या जिनपिंग को दुनिया की चिंता नहीं है। वे दुनिया को शांत देखना चाहते ही नहीं हैं। वे तो नए दौर के सौदागर हैं जो सबकुछ अपनी मुट्ठी में कर लेना चाह रहे हैं। तीनों को लग रहा है कि अकेले कोशिश करेंगे तो बाकी दो व्यवधान पैदा करेंगे। इसलिए तीनों मिल कर शांति का राग अलाप रहे हैं। मगर इसके पीछे भी उनके अपने हित छिपे हैं। ट्रम्प ने तो सम्मेलन में साफ कहा भी कि ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देना चाहिए ! यदि परमाणु बम से इतनी ही नफरत है तो तीनों को इस शिखर सम्मेलन में तय करना चाहिए था कि दुनिया से परमाणु बम को मिल कर खत्म कर दें। मगर वे ऐसा कैसे कह सकते हैं। उनकी तो पूरी मशीनरी नए-नए हथियार विकसित करने में लगी है। इसलिए स्पष्ट समझ लीजिए कि शांति की ये बात बकवास है।

क्वाड का सहयोग मंच या विश्व राजनीति में बनती शक्ति-संतुलन की नई धुरी !

डॉ. प्रियंका 'सौरभ'
स्तंभकार



हिंद-प्रशांत क्षेत्र आज विश्व राजनीति का ऐसा केंद्र बन चुका है, जहाँ समुद्री सुरक्षा, व्यापारिक हित, सामरिक प्रतिस्पर्धा और वैश्विक शक्ति-संतुलन एक-दूसरे से जुड़े हैं। चीन की बढ़ती सैन्य सक्रियता, समुद्री विवाद, व्यापारिक निर्भरता और महत्त्वपूर्ण तकनीकों पर नियंत्रण की होड़ ने इस क्षेत्र को रणनीतिक दृष्टि से संवेदनशील बना दिया है। ऐसे समय में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का चतुर्पक्षीय सहयोग समूह 'क्वाड' भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति का महत्त्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है। इसका महत्त्व केवल चार देशों के आपसी सहयोग तक सीमित नहीं, बल्कि एक ऐसी क्षेत्रीय व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा है, जिसमें स्वतंत्रता, नियमों का सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और सामूहिक विकास को प्राथमिकता मिले।

भारत की हिंद-प्रशांत नीति का उद्देश्य किसी सैन्य गुट का हिस्सा बनकर शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि क्षेत्र में संतुलन, स्थिरता और सहयोग बनाए रखना है। क्वाड भारत को अपनी समुद्री, आर्थिक और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने का अवसर देता है। हिंद महासागर भारत की आर्थिक जीवनरेखा है। देश का व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय संपर्क समुद्री मार्गों पर निर्भर हैं। मलक्का जलडमरूमध्य, होर्मुज जलडमरूमध्य और हिंद महासागर के प्रमुख व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा भारत के आर्थिक हितों से सीधे जुड़ी है। इन क्षेत्रों में किसी भी तनाव, अवरोध या समुद्री असुरक्षा का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। क्वाड के माध्यम से समुद्री निगरानी, सूचनाओं के आदान-प्रदान, समुद्री डकैती की रोकथाम और सुरक्षित नौवहन में सहयोग बढ़ाया जा सकता है। क्वाड का दूसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन है। दक्षिण चीन सागर में विवाद, समुद्री सीमाओं को लेकर तनाव और एकतरफा गतिविधियाँ छोटे देशों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारत ऐसी व्यवस्था का समर्थक है, जिसमें सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार अपने अधिकारों का उपयोग करने की स्वतंत्रता मिले। क्वाड इस दृष्टिकोण को सामूहिक स्वर प्रदान करता है। इसके माध्यम से भारत क्षेत्रीय शांति, समुद्री स्वतंत्रता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत कर सकता है। यह चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच संतुलन बनाए रखने का अवसर भी है, लेकिन भारत की नीति टकराव के बजाय संयम और कूटनीति पर आधारित रहनी चाहिए। आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी क्वाड की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। वैश्विक संकटों, युद्धों और महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कुछ सीमित देशों पर अत्यधिक निर्भर आपूर्ति व्यवस्था अर्थव्यवस्था को कमजोर कर सकती है। औषधियों, अर्धचालकों, दुर्लभ खनिजों, ऊर्जा और तकनीकी उपकरणों की आपूर्ति में विविधता लाना अब आर्थिक विवशता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता बन गया है। क्वाड के सहयोग से भारत को निवेश, विनिर्माण, नई तकनीकों और वैश्विक व्यापार में अपनी भूमिका बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। इससे भारत को केवल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि उत्पादन और नवाचार के विश्वसनीय केंद्र के रूप में विकसित होने में सहायता मिलेगी।



तकनीकी सहयोग क्वाड की भविष्यगत शक्ति का प्रमुख आधार है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल ढाँचे जैसे क्षेत्रों में साझा प्रयास भारत की क्षमता को बढ़ा सकते हैं। आज साइबर हमले, संचार व्यवस्था में व्यवधान और समुद्र के भीतर बिछी संचार केबलों की सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा हैं। यदि भारत इन क्षेत्रों में सहयोग के साथ अपनी अनुसंधान क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और घरेलू उद्योग को विकसित करता है, तो यह साझेदारी उसके दीर्घकालीन हितों के लिए लाभकारी होगी। क्वाड का मानवीय पक्ष भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। वर्ष 2004 की हिंद महासागर सुनामी के बाद आपदा राहत और मानवीय सहायता के क्षेत्र में सहयोग की भावना ने इस समूह की प्रारंभिक पृष्ठभूमि तैयार की थी। आज जलवायु परिवर्तन, चक्रवात, समुद्री दुर्घटनाएँ, महामारी और प्राकृतिक आपदाएँ पूरे क्षेत्र के सामने साझा चुनौतियाँ हैं। राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता, बचाव अभियान और आपदा के समय त्वरित समन्वय में क्वाड देशों का सहयोग अनेक जीवन बचा सकता है। भारत अपनी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और मानवीय सहायता क्षमता के कारण इस क्षेत्र में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। साथ ही, क्वाड भारत की पूर्व की ओर देखो नीति को मजबूती देकर आसियान देशों के साथ संबंधों को गहरा करने में सहायक है। फिर भी क्वाड की राह आसान नहीं है। चारों देशों के राष्ट्रीय हित और रणनीतिक प्राथमिकताएँ हमेशा एक जैसी नहीं होतीं। भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और सामरिक स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्त्व देता है। वह किसी एक शक्ति के प्रभाव में अपनी निर्णय क्षमता सीमित नहीं करना चाहता। भारत के लिए आगे का रास्ता स्पष्ट है। क्वाड को समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, तकनीकी सहयोग, आर्थिक साझेदारी और आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती जैसे व्यावहारिक क्षेत्रों में परिणाम देने चाहिए। आसियान की केंद्रीय भूमिका का सम्मान करते हुए छोटे और विकासशील देशों की आवश्यकताओं को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सहयोग का मूल्य केवल शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि क्षेत्रीय देशों के जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलाव से तय होना चाहिए।

क्वाड भारत के लिए अवसर भी है और कूटनीतिक परीक्षा भी। भारत को अपनी समुद्री शक्ति, आर्थिक क्षमता और तकनीकी विकास को मजबूत करते हुए स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखनी होगी। उसकी वास्तविक सफलता किसी गुट के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय शांति और संतुलन स्थापित करने में है। यदि क्वाड सहयोग, विश्वास और साझा विकास का माध्यम बनता है, तो यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता का आधार बन सकता है। भारत की भूमिका इस संतुलन को बनाए रखने वाले देश की होनी चाहिए, न कि किसी प्रतिस्पर्धा का मात्र सहभागी बनने की। यही भारत की रणनीतिक परिपक्वता और वैश्विक नेतृत्व की पहचान होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

विश्व टेलीविजन दिवस पर विशेष

बुद्धू बक्से से लाइव दुनिया तक... ज्ञान और भ्रम के साथ स्क्रीन में सिमटी दुनिया

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार



वर्ष 1925 में टेलीविजन का आविष्कार स्कॉटिश इंजीनियर तथा अन्वेषक जॉन लॉगी बेयर्ड द्वारा किया गया था। वे दुनिया के प्रथम वैज्ञानिक थे, जिन्होंने 26 जनवरी 1926 को ब्रिटेन के लंदन शहर में स्थित रॉयल इंस्टीट्यूशन से लंदन के पश्चिम में स्थित 'सोहो' नामक स्थान पर टेलीविजन संदेशों का सफल प्रसारण करके दिखाया था। उनके द्वारा बनाए गए मैकेनिकल टेलीविजन के बाद 1927 में फिलो फॉर्न्सवर्थ द्वारा इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार किया गया, जिसका 3 सितम्बर 1928 को उनके द्वारा सार्वजनिक प्रदर्शन किया गया। कुछ असफलताओं के बाद सदी के महान् आविष्कार टेलीविजन को पूरी तरह इलैक्ट्रॉनिक रूप देने में सफलता मिली वर्ष 1934 में। बिजली से चलने वाले उस अद्भुत इलैक्ट्रॉनिक उपकरण की ही बदौलत आगामी वर्षों में कई आधुनिक टीवी स्टेशन खोले दिए? जिसके बाद लोग बड़ी संख्या में टीवी खरीदने लगे और टेलीविजन धीरे-धीरे मनोरंजन एवं समाचार का महत्वपूर्ण माध्यम बनता गया।



इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने अपने आविष्कार के करीब 32 साल बाद भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चैनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चैनल डीडी-1 और दूसरा नया चैनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में 'डीडी मैट्रो' नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है।

'ब्लैक एंड व्हाइट' बुद्धू बक्सा अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है। यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाया जाता है।

संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की घोषणा कर दी गई। दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिये समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं।

देश में जहां दूरदर्शन की शुरूआत के बाद दशकों तक दूरदर्शन के ही चैनल प्रसारित होते रहे, वहीं 1990 के दशक में निजी चैनल शुरू होने की इजाजत मिलने के साथ एक नई सूचना क्रांति का आगाज हुआ। इन तीन दशकों में निजी चैनलों को लगातार मिलते लाइसेंस के चलते अब देशभर में टीवी पर करीब एक हजार चैनल प्रसारित होते हैं। इससे दूरदर्शन जैसे माध्यम कमजोर हो गए हैं और अब हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सूचना व संचार माध्यमों ने हमें इस कदर अपना गुलाम बना लिया है कि इनके अभाव में जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते। हालांकि ढ़ेर सारे टीवी चैनलों की बदौलत जहां ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, सूचना आदि के स्रोत बढ़े हैं, वहीं चिंताजनक स्थिति यह है कि टीआरपी की बढ़ती होड़ में बहुत से निजी टीवी चैनल जिस प्रकार गलाकाट प्रतिद्वंद्विता के चलते समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करते हुए दर्शकों के समक्ष कुछ भी परोसने को तैयार रहते हैं, उससे युवा पीढ़ी दिशाहीन हो रही है और जनमानस में गलत संदेशों का बीजारोपण होता है। इसीलिए मांग उठने लगी है कि दिशाहीन टीवी कार्यक्रमों के नकारात्मक प्रभावों पर अंकुश लगाने और अपसंस्कृति के प्रसार को रोकने के लिए इन पर कुछ कड़े कानूनी प्रतिबंधों का प्रावधान होना चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

रोजाना टहलने से दिमाग को भी फायदा, याददाश्त और एकाग्रता पर असर



पैदल चलना सेहत के लिए सबसे आसान और फायदेमंद व्यायामों में शामिल है। आमतौर पर लोग इसे वजन घटाने, दिल को स्वस्थ रखने और मधुमेह नियंत्रित करने से जोड़कर देखते हैं, लेकिन इसका असर दिमाग पर भी पड़ता है। नियमित वॉकिंग याददाश्त, एकाग्रता और सोचने-समझने की क्षमता को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकती है। खासतौर पर बढ़ती उम्र में यह आदत मानसिक सक्रियता बनाए रखने का अच्छा तरीका हो सकती है।

पैदल चलने के दौरान दिल की धड़कन और सांस लेने की गति बढ़ती है। इससे शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है और मस्तिष्क तक ऑक्सीजन तथा जरूरी पोषक तत्व पहुंचाने में मदद मिलती है। शोध बताते हैं कि नियमित शारीरिक गतिविधि मस्तिष्क में रक्त प्रवाह को बेहतर बनाए रखने में सहायक हो सकती है। इससे मस्तिष्क की कोशिकाओं के कामकाज को भी लाभ मिलता है।

एनसीबीआई में प्रकाशित एक शोध समीक्षा में बुजुर्गों पर किए गए नौ अध्ययनों का विश्लेषण किया गया। इनमें से छह अध्ययनों में वॉकिंग के बाद निर्णय लेने, योजना बनाने और ध्यान नियंत्रित करने जैसी क्षमताओं में सुधार देखा गया, जबकि तीन अध्ययनों में याददाश्त से जुड़े फायदे सामने आए।

दिमाग तक खून पहुंचाने वाली रक्त वाहिकाओं का स्वस्थ रहना जरूरी है। बढ़ती उम्र, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और धूम्रपान के कारण इनकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। नियमित एरोबिक व्यायाम रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने में मदद करता है। एक साल तक बुजुर्गों पर किए गए अध्ययन में एरोबिक एक्सरसाइज करने वाले समूह में मस्तिष्क का रक्त प्रवाह बढ़ने और गर्दन की प्रमुख धमनी की कठोरता कम होने के संकेत मिले।

वॉकिंग का पूरा फायदा लेने के लिए नियमितता जरूरी है। शुरुआत रोजाना 15 से 20 मिनट की सामान्य चाल से की जा सकती है। धीरे-धीरे इसे बढ़ाकर सप्ताह में कम से कम 150 मिनट तक ले जाने का लक्ष्य रखें। तेज चाल से चलना यानी ब्रिस्क वॉक अधिक फायदेमंद हो सकती है, लेकिन अपनी शारीरिक क्षमता का ध्यान रखना जरूरी है। लंबे समय तक एक जगह बैठने से बचें और बीच-बीच में उठकर कुछ देर टहलें। याद रखें, पैदल चलना अल्जाइमर या डिमेंशिया से बचाव की गारंटी नहीं है, लेकिन यह दिमाग और शरीर दोनों को सक्रिय रखने वाली अच्छी आदत है।

निशाना

दर्द उसका सगा हो गया...



प्रदीप कश्यप

दोस्त जो बेवफ़ा हो गया।
दुश्मनों का सगा हो गया।
बात झूठी जिसे भा रही ।
सच वो सुन कर ख़फ़ा हो गया।
यार की याद आई बहुत।
ज़ख्म दिल का हरा हो गया।
जब हुआ इश्क का रोग तब।
दर्द उसका सगा हो गया।
जुर्म कर के भी मुज़रिम बरी।
फिर गलत फैसला हो गया।
कह रहे लोग खोटा जिसे।
वो परख से खरा हो गया।
प्यार कश्यप मिला यार से।
फूल सा दिल खिला हो गया।

नॉलेज स्टोरी

सोने की चमक के पीछे छिपा मिलावट का खेल, मशीनें भी नहीं पकड़ पा रहीं धोखाधड़ी

सोना खरीदते समय उसकी चमक, डिजाइन और कीमत के साथ सबसे ज्यादा भरोसा उसकी शुद्धता पर किया जाता है। ज्यादातर ग्राहक दुकानदार की बात मान लेते हैं, जबकि जागरूक खरीदार बीआईएस (BIS) का हॉलमार्क देखकर निश्चिंत हो जाते हैं। लेकिन अगर शुद्धता जांचने वाली मशीन ही मिलावटी सोने को असली बता दे तो? सोने में रेनियम नाम के पदार्थ की मिलावट को लेकर सामने आई एक रिपोर्ट ने इसी चिंता को बढ़ा दिया है। दावा है कि इस मिलावट को सामान्य हॉलमार्किंग जांच में पकड़ना मुश्किल हो सकता है।



सीएनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन से रेनियम पाउडर मंगाकर सोने में मिलाने का प्रयोग किया गया। दावा है कि कुछ मामलों में इसका इस्तेमाल आभूषणों में 25 प्रतिशत तक किया जा सकता है। रिपोर्ट में बताया गया कि एक प्रयोग में 7.83 ग्राम 24 कैरेट सोने में एक ग्राम रेनियम पाउडर मिलाया गया। इससे कुल वजन 8.83 ग्राम हो गया। जांच में एक्सआरएफ मशीन ने इसे 24 कैरेट सोना बताया। बाद में दूसरी धातु मिलाकर 22 कैरेट की ज्वैलरी तैयार की गई, जबकि उसमें वास्तविक सोने की मात्रा 20 कैरेट के बराबर थी।

हॉलमार्किंग भारतीय मानक ब्यूरो की व्यवस्था है, जिसके जरिए सोने के आभूषण की शुद्धता की पहचान की जाती है। सोने की शुद्धता कैरेट और फिनेस यानी प्रति हजार हिस्सों में शुद्ध सोने की मात्रा से समझी जाती है। ज्वैलर आभूषण को बीआईएस से मान्यता प्राप्त हॉलमार्किंग सेंटर भेजता है। वहां उसका वजन और शुद्धता जांची जाती है। इसके लिए मुख्य रूप से एक्सआरएफ (XRF) मशीन का इस्तेमाल होता है। यह एक्स-रे तकनीक से धातु की संरचना का आकलन करती है। जांच में मानक के अनुरूप पाए जाने पर आभूषण को छह अंकों का एचयूआईडी (HUID) नंबर दिया जाता है। इस नंबर के जरिए आभूषण की पहचान और उससे जुड़ी जानकारी डिजिटल रूप से दर्ज रहती है।

सोना खरीदते समय आभूषण पर बीआईएस का लोगो, कैरेट और फिनेस की जानकारी जरूर देखें। छह अंकों का HUID नंबर जांचें। बीआईएस केयर ऐप पर HUID डालकर आभूषण का विवरण मिलाएं। खरीदारी का पक्का बिल लें। इसमें शुद्धता, वजन और मेकिंग चार्ज दर्ज होना चाहिए। अधिक संदेह होने पर बीआईएस से मान्यता प्राप्त केंद्र पर दोबारा जांच कराएं। याद रखें, हॉलमार्क सोने की शुद्धता का महत्वपूर्ण प्रमाण है, लेकिन ग्राहक की सतर्कता भी उतनी ही जरूरी है।

टेक्नो अपडेट

जेब में रख सकेंगे अपना एआई असिस्टेंट बिना फोन छुए हो सकेंगे कई जरूरी काम

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने की होड़ में टेक कंपनियां लगातार नए उपकरण पेश कर रही हैं। इसी कड़ी में मार्क जुकरबर्ग की कंपनी मेटा एक छोटे पॉकेट डिवाइस के साथ बाजार में उतरने की तैयारी कर रही है। इसका नाम म्यूज चार्म (Muse Charm) बताया जा रहा है। पेंडेंट या की-चेन की तरह इस्तेमाल होने वाला यह उपकरण आपके निजी एआई सहायक की तरह काम करेगा। खास बात यह है कि इसके जरिए कई काम करने के लिए बार-बार स्मार्टफोन निकालने की जरूरत नहीं पड़ेगी।



म्यूज चार्म आकार में लगभग एयरपॉड्स के चार्जिंग केस जितना बताया जा रहा है। इसे जेब में रखने या की-चेन में लगाने के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इसमें करीब दो इंच की टचस्क्रीन, इन-बिल्ट स्पीकर और माइक्रोफोन दिए जाने की जानकारी है। इसके अलावा फिंगरप्रिंट सेंसर भी इसमें शामिल है। यानी छोटा होने के बावजूद इसमें कई तरह की तकनीक एक साथ मिलने वाली है।

इस डिवाइस का मुख्य आकर्षण मेटा का म्यूज पर्सनल एआई असिस्टेंट है। इसकी स्क्रीन पर जॉली नाम का एक डिजिटल अवतार दिखाई देगा, जिसे उपयोगकर्ता अपनी पसंद के अनुसार बदल सकेंगे। इससे बातचीत करके ऑनलाइन खरीदारी, फ्लाइट बुकिंग और फॉर्म भरने जैसे काम कराए जा सकेंगे। इसका उद्देश्य है कि उपयोगकर्ता को हर छोटे काम के लिए फोन खोलकर अलग-अलग ऐप इस्तेमाल न करने पड़ें। हालांकि, इन सुविधाओं की वास्तविक क्षमता और उपलब्धता लॉन्च के समय ही स्पष्ट होगी। मेटा ने सितंबर में आयोजित अपने कनेक्ट इवेंट में पहली बार म्यूज चार्म की झलक दिखाई थी। मेटा केवल म्यूज चार्म तक सीमित नहीं रहना चाहता। कंपनी अपना एआई आधारित हार्डवेयर इकोसिस्टम तैयार करने की दिशा में काम कर रही है। इसी योजना के तहत स्मार्टवॉच भी विकसित की जा रही है। हालांकि, फिलहाल कंपनी का ध्यान म्यूज चार्म पर है और स्मार्टवॉच की लॉन्चिंग 2027 तक टलने की खबर है। अगर यह डिवाइस सफल रहती है तो भविष्य में एआई सहायक केवल मोबाइल स्क्रीन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जेब में रखकर भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।

नगर में 4.80 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन

सिरोंज के विकास को मिलेगी नई रफ्तार, 15 करोड़ स्वीकृत, 17 हेक्टेयर में बनेगी आधुनिक कृषि मंडी

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नगर के विकास को गति देने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा ने देवउठनी ग्यारस पर नगर पालिका के विभिन्न वार्डों में करीब 4 करोड़ 80 लाख रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी। पुराना बस स्टैंड पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने करीब 3 करोड़ रुपए के पूर्ण विकास कार्यों का लोकार्पण और 1 करोड़ 80 लाख रुपए के नए कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान नागरिकों की समस्याएं सुनने के लिए जनसुनवाई भी आयोजित की गई, जिसमें करीब 40 आवेदन प्राप्त हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शर्मा ने बताया कि भोपाल रोड पर नवीन कृषि मंडी के लिए 17 हेक्टेयर भूमि आवंटित हो चुकी है। मंडी परिसर के विकास के लिए सरकार ने 15 करोड़ रुपए भी स्वीकृत किए हैं। इससे किसानों और व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा शहर में बढ़ते यातायात का दबाव कम होगा। उन्होंने बताया कि नगर में 3 करोड़ की लागत से बस स्टैंड से बासौदा बायपास तक सड़क निर्माण, 18 करोड़ की जल आवर्धन योजना के तहत पेयजल लाइन बिछाने और कॉलेजों में विकास कार्य कराए जा रहे हैं। जनसुनवाई में मिले आवेदनों पर एसडीएम ओमनारायण



बड़कुल को उचित निराकरण के निर्देश दिए गए। विधायक उमाकांत शर्मा ने बताया कि सिरोंज की पुरानी कृषि मंडी में आवक बढ़ने और शहरी बसाहट के विस्तार के कारण जगह कम पड़ने लगी है। लटेरी रोड, मंडी रोड और छतरी मार्ग पर यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है। इसे देखते हुए भोपाल रोड पर नवीन मंडी स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए 17 हेक्टेयर भूमि आवंटित हो चुकी है और परिसर के विकास के लिए 15 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। नवीन मंडी तक पहुंचने के लिए प्रमुख मार्गों के साथ वैकल्पिक सड़कों का निर्माण भी कराया जाएगा। इससे किसानों और व्यापारियों को व्यवस्थित सुविधाएं मिलेंगी।

जनसुनवाई में 40 आवेदन, 22 शिकायतें नगर पालिका से जुड़ीं : पुराना बस स्टैंड पर आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां कर्मचारियों ने नागरिकों से आवेदन प्राप्त किए। कुल करीब 40 आवेदन आए, जिनमें 22 नगर पालिका से संबंधित समस्याओं के थे। विधायक उमाकांत शर्मा ने आवेदनों पर सुनवाई कर एसडीएम ओमनारायण बड़कुल को उचित निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान ईंट निर्माण से जुड़े प्रजापति समाज के लोगों ने खेतों से मिट्टी लाने वाली ट्रालियों पर राजस्व विभाग की कार्रवाई से राहत दिलाने की मांग भी रखी।

तेंदूखेड़ा काष्ठागार पहुंचाई गईं जब्त सागौन की तीन सिल्लियां



तेंदूखेड़ा। झलौन वन परिक्षेत्र के डुकरसता बीट में अवैध सागौन कटाई और विभागीय लापरवाही को लेकर खबर प्रकाशित होने के बाद वन विभाग हरकत में आया है। 31 अक्टूबर की रात तीन मोटरसाइकिलों से परिवहन की जा रही सागौन की तीन सिल्लियां जब्त की गई थीं, जिन्हें करीब 15 दिनों तक झलौन कार्यालय परिसर में रखा गया था। खबर प्रकाशित होने के बाद तीनों सिल्लियों को ट्रैक्टर-ट्रॉली से तेंदूखेड़ा काष्ठागार पहुंचा दिया गया। विभागीय रिकॉर्ड में जब्त लकड़ी की कुल मात्रा एक घन मीटर दर्ज है। इधर, ग्रामीणों ने जंगल में लगातार हो रही अवैध कटाई पर चिंता जताते हुए लंबे समय से पदस्थ वनकर्मियों को हटाने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

न्यूज विंडो

अन्नपूर्णा रसोई में 10 रुपए में भरपेट भोजन कर रहे डेढ़ से 200 लोग



तेंदूखेड़ा। जरूरतमंदों को कम कीमत में भरपेट भोजन उपलब्ध कराने की पहल अब तेंदूखेड़ा में जनसेवा की मिसाल बन रही है। नगर में संचालित अन्नपूर्णा रसोई में प्रतिदिन 150 से 200 लोग मात्र 10 रुपए में भोजन कर रहे हैं। खास बात यह है कि करीब 200 नगरवासियों की सहभागिता से इस व्यवस्था का संचालन किया जा रहा है। सहयोगी अपनी सुविधानुसार अलग-अलग दिनों में पहुंचकर भोजन बनाने से लेकर वितरण तक की जिम्मेदारी निभाते हैं। करीब 20 दिनों से जारी इस सेवा कार्य की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रत्येक 15 दिन में समीक्षा बैठक आयोजित की जाती है। इसमें भोजन की गुणवत्ता, व्यवस्थाओं और भविष्य में सेवा का विस्तार करने पर चर्चा होती है। सत्येंद्र सिंह लोधी, ठाकुर मूरत सिंह, राजकुमार सिंह ठाकुर, सुरेश जैन, राहुल ठाकुर सहित अनेक समाजसेवी इसमें सहयोग कर रहे हैं।

स्कॉर्पियो की जोरदार टक्कर से ऑटो के उड़े परखच्चे, चालक गंभीर घायल



तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र के तारादेही मार्ग पर चौराई स्थित नायरा पेट्रोल पंप के पास शुक्रवार रात करीब 8 बजे स्कॉर्पियो और ऑटो की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में ऑटो चालक राजा खान (22) पिता रफीक निवासी तेंदूखेड़ा गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया कि राजा खान पेट्रोल पंप से डीजल भरवाकर लौट रहा था, तभी सामने से आ रही स्कॉर्पियो ने ऑटो को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्कॉर्पियो जब्त कर थाने में खड़ी कराई है। दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है।

खाटूश्याम के जयकारों से गूंजा तारादेही देवउठनी एकादशी पर उमड़े श्रद्धालु



तारादेही। देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर शुक्रवार को तारादेही ग्राम में भगवान श्री खाटूश्याम का जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर तिराहा थाने के समीप समस्त युवा मंडल द्वारा प्रसाद वितरण एवं भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान श्री खाटूश्याम के जयकारे लगाए, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। युवा मंडल के सदस्यों ने श्रद्धालुओं के बैठने, प्रसाद वितरण और पेयजल की व्यवस्थाएं संभालीं। आयोजन में ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग किया।

मोबाइल दिखाने के बहाने खेत में ले जाकर 10 वर्षीय अभिषेक की हत्या की

5 दिन तक साथ घूमकर ढूंढता रहा मासूम को, उसी पड़ोसी ने घोंट दिया था गला

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम गूढ़ा में 10 वर्षीय अभिषेक अहिरवार की हत्या का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। मासूम का हत्यारा उसका पड़ोसी और रिश्तेदार कमलेश अहिरवार (19) निकला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं साक्ष्य छिपाने में मदद करने वाले दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार अभिषेक 10 नवंबर की शाम घर से लापता हुआ था। छह दिन की तलाश के बाद 16 नवंबर को उसका शव गांव के खेत में मिला। जांच में सामने आया कि दीपावली पर पटाखा लगने के बाद अभिषेक ने मजाक में कमलेश को गाली दे दी थी। इसी बात से नाराज होकर उसने बदला लेने की ठान ली। 10 नवंबर को कमलेश मोबाइल दिखाने के बहाने अभिषेक को खेत में ले गया और गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव झाड़ियों में छिपा दिया। आरोपी पांच दिन तक परिजनों और ग्रामीणों के साथ खोजबीन का नाटक करता रहा। रात में शव को अलग-अलग खेतों में छिपाकर ठिकाना बदलता रहा। शव मिलने के दिन आरोपी की गैरमौजूदगी और डॉग स्क्वायड के सुराग से पुलिस को उस पर संदेह हुआ। पूछताछ में उसने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस के अनुसार दोनों परिवारों के बीच जमीन विवाद भी सामने आया है।



रात में शव ठिकाने लगाता, दिन में खोजने का करता रहा नाटक

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि हत्या के बाद आरोपी कमलेश लगातार पांच दिनों तक परिजनों, ग्रामीणों और पुलिस के साथ अभिषेक की तलाश में शामिल होने का दिखावा करता रहा, ताकि किसी को उस पर शक न हो। वहीं रात करीब एक बजे के बाद वह खेतों में जाकर शव को धान के गांज और झाड़ियों में छिपाता रहा। शव से दुर्गंध आने और उसके क्षत-विक्षत होने पर 15 नवंबर की रात उसने शव को दूसरे खेत में फेंक दिया। इसके बाद सुबह तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर जिला अस्पताल में भर्ती हो गया। 16 नवंबर को शव मिलने के दौरान आरोपी गांव में मौजूद नहीं था। डॉग स्क्वायड का डॉग सीधे उसके घर पहुंचा, जिसके बाद पुलिस का शक गहरा गया।

डीआईजी-एसपी ने किया था घटनास्थल का निरीक्षण

हत्याकांड के खुलासे से एक दिन पहले सागर रेंज के डीआईजी शशिन्द्र सिंह चौहान और दमोह एसपी आनंद कलादगी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों और ग्रामीणों से जानकारी ली थी। उन्होंने पुलिस टीम को जल्द खुलासे के निर्देश दिए थे। एसपी के निर्देशन में एडिशनल एसपी सुजीत सिंह भदौरिया और एसडीओपी अर्चना अहीर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षु डीएसपी शिवप्रसाद कंगाली, तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविन्द सिंह, चौकी प्रभारी इमलिया रमाशंकर मिश्रा सहित पुलिस टीम ने कार्रवाई की। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। साक्ष्य छिपाने में सहयोग करने वाले दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। मासूम के परिजनों ने दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

मेहनत की कमाई के लिए पांच दिन से सड़क पर परिवार, ठंड में बिगड़ी दो हितग्राहियों की तबीयत



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

झलौन में मृतक एसबीआई कियोस्क संचालक रूपेश जैन के पास जमा 50 लाख रुपए से अधिक की कथित बकाया राशि वापस पाने के लिए करीब 60 महिला-पुरुष हितग्राहियों का धरना शुक्रवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। भीषण ठंड के बीच हितग्राही सागर रोड स्थित मृतक के मकान के सामने टेंट लगाकर बैठे हैं। शुक्रवार को ठंड के कारण दो हितग्राहियों गणेश आदिवासी और वृद्ध महिला लाडली गोंड की तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें उपचार के लिए सागर भेजा गया।

हितग्राहियों का आरोप है कि उन्होंने मजदूरी और छोटे-मोटे काम करके पाई-पाई जमा की थी, लेकिन अब उनकी रकम वापस नहीं मिल रही। किसी की दो लाख तो किसी की पांच लाख रुपए तक की राशि फंसी हुई है। महिलाओं ने चेतावनी दी कि रकम नहीं मिली तो वे आत्महत्या जैसा कदम उठाने को मजबूर होंगी। हितग्राहियों के अनुसार चार माह पहले पंचायत में मृतक के परिजनों ने राशि लौटाने का आश्वासन दिया था, लेकिन समय पूरा होने के बाद भी भुगतान नहीं हुआ। वहीं एसडीएम सीजी गोस्वामी ने कहा कि प्रशासन केवल समझाइश दे सकता है। राशि की वसूली के लिए हितग्राहियों को सिविल न्यायालय जाना होगा। न्यायालयीन प्रक्रिया से मृतक की संपत्ति कुर्क कर बकाया वसूली संभव है। हितग्राहियों ने राशि मिलने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही है।

रिंग रोड निर्माण का एसडीएम ने लिया जायजा, अधिकारियों को दिए निर्देश



गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

प्रस्तावित रिंग रोड निर्माण को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी अनुभा जैन ने ग्राम रबरयाई, सिरावदा एवं मूडरा पहुंचकर निर्माण कार्य से संबंधित स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के एसडीओ प्रदीप धाकड़ एवं जनपद पंचायत बासौदा के उपयंत्री मौजूद रहे। अधिकारियों ने रिंग रोड के लिए अर्जित की जा रही शासकीय एवं निजी भूमि के खसरा नंबरों का मौके पर पहुंचकर सड़क के निर्धारित नक्शे एवं लेआउट से मिलान किया। इस दौरान भूमि की स्थिति और प्रस्तावित मार्ग का जायजा लिया गया।एसडीएम अनुभा जैन ने बताया कि रिंग रोड का निर्माण क्षेत्र के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे आवागमन एवं संपर्क सुविधाओं में सुधार होने के साथ ही क्षेत्र में विकास को गति मिलेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण से जुड़ी प्रक्रियाओं में तेजी लाने और रिंग रोड का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

जनजातीय गौरव को मिला सम्मान, नौघई से टपरा तक अब कहलाएगा 'बिरसा मुंडा मार्ग'

बिरसा मुंडा की जयंती पर विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने ग्रामीणों से किया जनसंवाद शिक्षा को बताया उज्ज्वल भविष्य की कुंजी, बाल विवाह से दूर रहने की अपील

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव, संस्कृति और स्वाभिमान का संदेश गूंजा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष और योगदान को याद किया गया। ग्राम पंचायत नौघई के आदिवासी टपरा में आयोजित कार्यक्रम में विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर नौघई से आदिवासी टपरा तक जाने वाले सागर टपरा मार्ग का नामकरण भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर करते हुए उसे 'बिरसा मुंडा मार्ग' घोषित किया गया। आदिवासी टपरा पहुंचने पर ग्रामीणों ने विधायक का फूल-मालाओं से स्वागत किया। विधायक



ने ग्रामीणों के बीच बैठकर जनसंवाद किया और कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हमें अपने अधिकारों, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा करने की प्रेरणा देता है। उनका संघर्ष और बलिदान सदैव आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करता रहेगा। विधायक ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित स्कूल भेजने और उनकी शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही बच्चों का भविष्य संवरेगा और समाज आगे बढ़ेगा। बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों से दूर रहकर बच्चों को शिक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र मीणा, नगरपालिका उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर, मंडल अध्यक्ष लाखन सिंह रघुवंशी, नीलेश मीणा सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर — 17 स्वर्ण, 8 रजत और 3 कांस्य पदक हासिल कर खिलाड़ियों ने बढ़ाया संभाग का गौरव

राज्य स्तरीय आर्चरी प्रतियोगिता में नर्मदापुरम संभाग का दबदबा, 28 पदक जीते

नर्मदापुरम/इटारसी। दोपहर मेट्रो

शुजालपुर में आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय शालेय आर्चरी प्रतियोगिता में नर्मदापुरम संभाग के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में अपनी धाक जमाई। 18 से 21 नवंबर तक आयोजित 19 वर्ष बालक-बालिका वर्ग की इस प्रतियोगिता में संभाग के खिलाड़ियों ने 17 स्वर्ण, 8 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 28 पदक जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की। इस सफलता में पुरानी इटारसी स्थित आर्चरी नोडल खेल विद्यालय की छात्राओं की अहम भूमिका रही।

संभाग के जनरल मैनेजर अश्विनी मालवीय ने बताया कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने इंडियन, कंपाउंड और रिकर्व तीनों राउंड में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इंडियन राउंड बालिका वर्ग में



निकिता घोषी ने 40 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण और 30 मीटर में रजत पदक जीता। उन्होंने ओवरऑल स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं निकिता, वैशाली और आकांक्षा की टीम ने रजत पदक अपने नाम किया।

प्राची जोशी ने जीते तीन स्वर्ण : कंपाउंड राउंड में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरानी इटारसी की छात्रा प्राची जोशी ने शानदार प्रदर्शन किया। प्राची ने 50 मीटर सिंगल स्पर्धा में 302 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा 50 मीटर डबल और ओवरऑल स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक हासिल किए। कंपाउंड टीम इवेंट में प्राची, दीक्षा, पूर्वा और लक्की की टीम ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीता।

आशु ने तीनों स्पर्धाओं में साधा स्वर्णिम निशाना : रिकर्व राउंड में नर्मदापुरम की आशु जायसवाल ने 70 मीटर सिंगल, 70 मीटर डबल और ओवरऑल तीनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इसी वर्ग में रिया नरवरे ने तीनों स्पर्धाओं में रजत और प्रेरणा मालवी ने तीनों में कांस्य पदक हासिल किए। रिकर्व टीम इवेंट में आशु जायसवाल, रिया नरवरे, प्रेरणा मालवी और लक्की की टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर संभाग की उपलब्धि में एक और पदक जोड़ा।

पुरानी इटारसी के विद्यालय की छात्राओं ने बढ़ाया मान : प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राएं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरानी इटारसी के आर्चरी नोडल खेल विद्यालय में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं। विद्यालय की प्राचार्य सपना गिरधारी ने छात्राओं की उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत और नियमित अभ्यास का परिणाम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में देखने को मिला है।

संभागीय दल के साथ अनुशिखा दीक्षित, गीतांजलि मेहरा और निधि तिवारी ने कोच एवं मैनेजर की जिम्मेदारी निभाई। उनके मार्गदर्शन और सहयोग से खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिली। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने विजेता खिलाड़ियों का मेडल पहनाकर स्वागत किया। संभाग की इस उपलब्धि पर शिक्षा विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, खेल शिक्षकों और खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को बधाई दी है।

दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने महिला का मंगलसूत्र झपटा

तेंदूखेड़ा। दमोह-जबलपुर मुख्य मार्ग पर गुरुवार दोपहर बदमाशों ने दिनदहाड़े झपटमारी की वारदात को अंजाम देकर सनसनी फैला दी। भोड़ी मंदिर के पास सिंघई वेयर हाउस के सामने मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने दूसरी बाइक पर बैठी महिला के गले से मंगलसूत्र छीन लिया और फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार ग्राम नरगुंवा माल निवासी भगवान सिंह लोधी अपनी पत्नी के साथ गुरुवार दोपहर करीब 1:30 बजे मोटरसाइकिल से तेंदूखेड़ा आ रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए तीन युवकों ने अचानक महिला के गले पर झपट्टा मारकर मंगलसूत्र छीन लिया। पति-पत्नी कुछ समझ पाते, इससे पहले ही आरोपी तेंदूखेड़ा की ओर भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही तेंदूखेड़ा पुलिस ने जांच शुरू कर दी। हालांकि खबर लिखे जाने तक आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिला था। दिनदहाड़े मुख्य मार्ग पर हुई इस वारदात से क्षेत्र में दहशत है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से गश्त बढ़ाने और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

चार एमटी अवैध कोयला उत्पादन का दावा, फिर भी समीक्षा बैठक से मुद्दा ही गायब

वैध कोयला कंपनियों से उत्पादन लक्ष्य का हिसाब मांग रहा प्रशासन, बटूरा, केशवाही और बकोही में कथित अवैध उत्खनन पर चुप्पी क्यों

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले में कोयला उत्पादन लक्ष्य, खदानों के संचालन और लंबित भूमि अधिग्रहण की समस्याओं को लेकर कलेक्टर ने कोयला कंपनियों के प्रतिनिधियों और खान प्रबंधकों की समीक्षा बैठक बुलाई। इसमें वैध कोयला ब्लॉकों के उत्पादन, लक्ष्य से विचलन और संचालन संबंधी समस्याओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। लेकिन जिले के बटूरा, केशवाही और बकोही क्षेत्र में कथित रूप से चल रहे अवैध कोयला उत्खनन का मुद्दा बैठक से नदारद रहा।

स्थानीय स्तर पर इन क्षेत्रों में अवैध कोयला कारोबार का सालाना उत्पादन करीब चार मिलियन टन (एमटी) होने का दावा किया जा रहा है। यदि यह आंकड़ा सही है तो मामला बेहद गंभीर है। सवाल यह है कि इतने बड़े कथित कारोबार की प्रशासनिक समीक्षा क्यों नहीं हो रही? एक ओर वैध कंपनियों से उत्पादन लक्ष्य पूरा करने



और रोजगार के अवसर बढ़ाने का हिसाब मांगा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर अवैध उत्खनन से जुड़े सवाल अनुत्तरित हैं। कोयला कहां से निकाला जा रहा है, उसका परिवहन कौन कर रहा है और इससे शासन को कितने राजस्व का नुकसान हो रहा है, इसकी जांच जरूरी है। अब निगाहें अगली समीक्षा बैठक पर हैं कि प्रशासन अवैध खनन के मुद्दे को कितनी गंभीरता से उठाता है।

खनिज, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त जांच जरूरी

बटूरा, केशवाही और बकोही क्षेत्र में कथित अवैध कोयला उत्खनन की वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए खनिज विभाग, पुलिस, राजस्व विभाग और संबंधित निगरानी एजेंसियों की संयुक्त जांच जरूरी है। जांच में यह पता लगाया जाना चाहिए कि कोयले का उत्खनन किन स्थानों पर हो रहा है, इसका परिवहन किन रास्तों से किया जा रहा है और इसके पीछे कौन लोग या नेटवर्क सक्रिय हैं। यदि सालाना चार एमटी उत्पादन का दावा सही साबित होता है तो यह शासन के राजस्व और खनिज संपदा की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा विषय है। प्रशासन को शिकायतों की जांच कर जिम्मेदार लोगों पर नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए।

अगली समीक्षा बैठक में अवैध खनन पर भी मांगा जाए हिसाब

कलेक्टर की समीक्षा बैठक में वैध कोयला कंपनियों से उत्पादन लक्ष्य पूरा करने और संचालन संबंधी समस्याओं का हिसाब लेना जरूरी है, लेकिन जिले में कथित अवैध उत्खनन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अगली बैठक में बटूरा, केशवाही और बकोही क्षेत्र की शिकायतों, जांच की प्रगति और संबंधित विभागों की कार्रवाई की भी समीक्षा होनी चाहिए। प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि अवैध खनन रोकने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं और आगे की कार्ययोजना क्या है। आखिर जिले की कोयला संपदा का हिसाब केवल वैध कंपनियों से ही नहीं, बल्कि अवैध कारोबार पर भी जवाबदेही तय करके होना चाहिए।

उज्जैन में भैंसों की लड़ाई ने ली मासूम की जान, पिता की आंखों के सामने इकलौते बेटे को कुचला

उज्जैन। प्रतिबंध के बावजूद कराई गई पाड़ों की लड़ाई एक परिवार की खुशियां छीन ले गई। देवउठनी एकादशी पर दोपहर उज्जैन जिले के नागझिरी थाना क्षेत्र के हामूखेड़ी में पाड़ों की लड़ाई के दौरान एक पाड़ा बेकाबू होकर दर्शकों की भीड़ में घुस गया और पिता के सामने ही सात साल के बच्चे युवराज दायमा को कुचलते हुए सीने पर चढ़ गया। गंभीर चोट लगने से उसकी हालत बिगड़ गई। स्वजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

आयोजन स्थल पर सुबह से ही पाड़ों की लड़ाई का आयोजन किया गया था। 12 जोड़ पाड़ों की लड़ाई करवाई जानी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सातवीं जोड़ लड़ाई में शुभम और सागर नामक व्यक्तियों के पाड़े शामिल थे। लड़ाई देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा हुए थे। इसी दौरान लड़ रहे पाड़ों में से एक बेकाबू होकर भीड़ की तरफ दौड़ पड़ा।

न्यूज विंडो

स्व. कर्नल मुशरान की जयंती पर दी गई भावांजलि, एनसीसी दल ने दी सलामी



नरसिंहपुर। पूर्व वित्त मंत्री स्व. कर्नल अजय नारायण मुशरान की जयंती पर शुक्रवार को एमआईएमटी कॉलेज में भावांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए प्रेरक संस्मरण साझा किए।इससे पहले मुक्तिधाम स्थित समाधि स्थल पर पुष्पांजलि सभा एवं मौन श्रद्धांजलि दी गई। एनसीसी दल ने कर्नल मुशरान को सलामी दी। एनएसएस इकाई ने जिला चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरित किए। बांसुरी वादन और भजनों के माध्यम से भी भावांजलि दी गई।कार्यक्रम में 'हमारा नरसिंहपुर, हमारे मुशरान' रील मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रथम पुरस्कार उदित नामदेव को 5100, द्वितीय कुश राय को 3100 और तृतीय कमलेश लोधी को 2100 रुपये नकद मिले। सांत्वना पुरस्कार में पांच प्रतिभागियों को 1100-1100 रुपये दिए गए।इस दौरान मेजर डॉ. पराग नेमा सहित 12 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

इंदौर रोड पर बिजली के खंभे से टकराकर पलटी तेज रफ्तार कार, ड्राइवर घायल



खंडवा। इंदौर रोड पर आज सुबह तेज रफ्तार वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा सुबह करीब 4 बजे भैरव तालाब के पास हुआ। वाहन में चार लोग सवार थे। दुर्घटना में चालक घायल हो गया, जबकि उसके साथ मौजूद तीन अन्य लोगों को गंभीर चोट नहीं आई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी के अनुसार, शनिवार तड़के चार लोग वाहन से इंदौर रोड से गुजर रहे थे। इसी दौरान भैरव तालाब के पास अचानक चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। तेज रफ्तार होने के कारण वाहन सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन पलटकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर वाहन में सवार लोगों की मदद की। गनीमत रही कि टक्कर के दौरान वाहन के सभी एयरबैग खुल गए, जिससे उसमें सवार लोगों को गंभीर चोटें नहीं आईं और एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलने पर पदमनगर थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल चालक को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। वहीं, दुर्घटना के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है।

इंदौर अधिकरण का ऐतिहासिक फैसला, 96.55 लाख मुआवजा देने का आदेश

अब गृहिणी नहीं, गृह-लक्ष्मी का भी होगा हिसाब

महिला की घरेलू सेवाओं का तय हुआ आर्थिक मूल्य

इंदौर। दोपहर मेट्रो

सड़क हादसे में जान गंवाने वाली महिला की आय की गणना में अब सिर्फ नौकरी या व्यवसाय की कमाई ही नहीं, घर संभालने के योगदान का भी आर्थिक मूल्य जोड़ा जाएगा। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने एक महत्वपूर्ण फैसले में व्यवसाय से 3.13 लाख रुपये वार्षिक कमाने वाली महिला की घरेलू सेवाओं का मूल्य 3.60 लाख रुपये सालाना माना है। इस तरह कुल वार्षिक आय 6.73 लाख रुपये तय कर आश्रितों को 96 लाख 55 हजार 700 रुपये क्षतिपूर्ति देने का आदेश बीमा कंपनी को दिया गया। ब्याज सहित यह राशि एक करोड़ रुपये से अधिक होगी।

प्रकरण में स्वजन की ओर से अधिवक्ता राजेश खंडेलवाल ने पैरवी की। मृतका अंजू जायसवाल व्यवसाय के साथ परिवार की देखभाल भी करती थीं। अधिकरण ने माना कि महिला का योगदान केवल व्यावसायिक कमाई तक सीमित नहीं था। घरेलू श्रम का भी स्वतंत्र आर्थिक महत्व है।अधिकरण ने वर्ष 2022 से 2024 तक की तीन वर्षों की औसत व्यावसायिक आय 3 लाख 13 हजार 116 रुपये मानी। परिवार संचालन, बच्चों के पालन-पोषण और अन्य जिम्मेदारियों के लिए 30 हजार रुपये प्रतिमाह यानी 3.60 लाख रुपये वार्षिक का मूल्यांकन किया। दोनों को मिलाकर कुल 6 लाख 73 हजार 116 रुपये वार्षिक आय मानी गई। इस पर 18 अप्रैल 2024 से भुगतान तक 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।



तय हुई 96.55 लाख की राशि

अधिकरण ने सबसे पहले मृतका की व्यावसायिक आय को तीन साल की आयकर विवरणियों से तय किया। 2022 से 2024 तक की औसत आय 3,13,116 रुपये मानी गई। इसके बाद घरेलू सेवाओं के लिए 30,000 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से 3,60,000 रुपये वार्षिक जोड़ा गया। इस तरह कुल वार्षिक आय 6,73,116 रुपये हुई। आयु, आश्रितों की संख्या और भविष्य की संभावनाओं के आधार पर मल्टीप्लायर लागू कर कुल 96,55,700 रुपये प्रतिकर निर्धारित किया गया। इस राशि पर 18 अप्रैल 2024 से भुगतान होने तक 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी मिलेगा। ब्याज जोड़ने पर कुल राशि एक करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी।

ऐसा है सुप्रीम कोर्ट का सिद्धांत?

अधिकरण ने सुप्रीम कोर्ट के 11 जून 2026 को शिशुपाल उर्फ शिशराम विरुद्ध सुरजीत मामले में दिए फैसले के सिद्धांतों को आधार बनाया। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि नौकरी या व्यवसाय करने वाली महिला के मामले में भी उसकी व्यावसायिक आय के अलावा घरेलू सेवाओं के नुकसान का मूल्य जोड़ा जा सकता है। घर का काम, बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा और परिवार के संचालन को अनदेखा नहीं किया जा सकता। यह काम भले ही वेतन में न मिलता हो, लेकिन इसका आर्थिक मूल्य है। यदि महिला न हो तो यही काम किसी और से कराने पर खर्च करना पड़ता है। इसलिए मुआवजा तय करते समय दोनों आय को जोड़ना न्यायसंगत है। यह फैसला कामकाजी महिलाओं के योगदान को कानूनी मान्यता देता है।

जनविश्वास शिविर में जनता की सुनें या विधानसभा के सवालों के जवाब दें... अधिकारी उलझे



अनूपपुर। जिले में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जनसमस्या निराकरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, वहीं विधानसभा सत्र के दौरान विधायकों के सवालों के जवाब तैयार करने की जिम्मेदारी भी अधिकारियों पर है। ऐसे में जिला प्रशासन और विभिन्न विभागों के अधिकारी इन दिनों दोहरी जिम्मेदारी के दबाव में काम कर रहे हैं।

ग्राम पंचायत गौरेला, जनपद पंचायत जैतहरी में आयोजित जनसमस्या निराकरण शिविर में जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, लेकिन विभागीय अधिकारियों का काफी समय विधानसभा के प्रश्नों के जवाब तैयार करने में भी लग रहा है। इसके लिए पुराने रिकॉर्ड जुटाने, आंकड़ों का मिलान करने और प्रमाणिक जानकारी तैयार करने की प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है। एक तरफ विधानसभा में निर्धारित समय-सीमा में जवाब प्रस्तुत करने की जवाबदेही है, तो दूसरी तरफ शिविरों में ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण करना प्रशासन की प्राथमिकता है। ऐसे में दोनों कार्यों के बीच संतुलन बनाना चुनौती बन गया है। प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विधानसभा संबंधी कार्यों हेतु अलग टीम गठित करने और शिविरों में पर्याप्त कर्मचारियों की तैनाती की जरूरत है, ताकि जनविश्वास अभियान केवल औपचारिकता न रहकर ग्रामीणों को वास्तविक राहत दिलाने का माध्यम बन सके।

चलती कार पर स्टंट पड़ा भारी, वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने किया गिरफ्तार

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

हाईवे पर कार से खतरनाक स्टंट करना एक युवक को महंगा पड़ गया। वीडियो वायरल होने के बाद राजगढ़ कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर स्टंट में इस्तेमाल की गई कार जब्त कर ली है। वायरल वीडियो में युवक राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-52 पर चलती कार की ड्राइवर सीट छोड़कर छत पर खड़ा दिखाई दे रहा था। यह कृत्य न केवल उसके स्वयं के जीवन के लिए खतरनाक था, बल्कि हाईवे से गुजरने वाले अन्य वाहन चालकों के लिए भी गंभीर जोखिम पैदा कर रहा था।पुलिस ने वीडियो का स्वयं संज्ञान लेकर आरोपी की पहचान की। आरोपी मुकेश पिता करणसिंह तंवर (25), निवासी ग्राम रामपुरिया के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह वीडियो 31 अक्टूबर 2026 की रात बनाया था, जिसे बाद में सोशल



मीडिया पर अपलोड किया था। बताया जा रहा है कि 15 सेकंड का यह वीडियो पहले एक पत्रकार ने एक्स पर पोस्ट किया था। छत्तीसगढ़ के पूर्व डीजी आरके विज ने इसे साझा कर भोपाल पुलिस कमिश्नर को टैग कर कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद जांच में कार का रजिस्ट्रेशन भोपाल का निकला और राजगढ़ पुलिस ने कार्रवाई की।

दो मासूम बेटों की निर्मम हत्या करने वाले पिता को कोर्ट ने सुनाई 10 साल के कठोर कारावास की सजा

द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश कुमार सोनी की अदालत ने गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर सुनाया फैसला

धार/कुक्षी। दोपहर मेट्रो

अपने ही दो मासूम बेटों की धारदार हथियार से हत्या करने वाले पिता को न्यायालय ने 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश कमलेश कुमार सोनी की अदालत ने गवाहों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराते हुए एक हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है।

मामला 1 मई 2025 की रात का है। आरोपी सिकदार ने पहले अपनी पत्नी मंजुबाई का गला दबाकर उसकी हत्या करने का प्रयास किया था। किसी तरह जान बचाकर मंजुबाई अपने बड़े बेटे



पंकेश को लेकर घर से भाग निकली। इसके बाद आरोपी ने घर में मौजूद अपने दो छोटे बेटों आकाश (4) और विकास (3) पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में दोनों बच्चों को गंभीर चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उनकी मौत हो गई। घटना में आकाश के सिर, गर्दन, कंधे और हाथों पर गंभीर चोटें थीं। वहीं विकास के सिर पर करीब 8 से 9 इंच लंबा और 2 से 3 इंच गहरा घाव मिला था। उसके कंधे और हाथ पर भी चोटें थीं।

मामले में डही पुलिस ने आरोपी सिकदार पिता बुटसिंह जमरा (25), निवासी डिगवी भंवरपुरा के खिलाफ अपराध क्रमांक 53/2025 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 109(1) के तहत प्रकरण दर्ज किया था। विवेचना पूरी होने के बाद चालान न्यायालय में पेश किया गया। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक संजयपाल मोरे ने पैरवी की। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास और कुल एक हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया।

मेट्रो एंकर

कनवाही के जनविश्वास शिविर में विधायक और जिला पंचायत सीईओ ने दिलाई शपथ

मंच पर नशामुक्ति की शपथ, क्या घर लौटकर भी निभाएंगे संकल्प?

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जनविश्वास अभियान के तहत गोहपारू जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत कनवाही में आयोजित शिविर में नशामुक्त समाज बनाने की शपथ दिलाई गई। विधायक जयसिंह मरावी ने नशे के दुष्परिणाम बताए, जबकि जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति ने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और ग्रामीणों को नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया। हालांकि इस आयोजन के बाद सवाल उठ रहा है कि शपथ लेने वाले कितने लोग वास्तव में अपनी पुरानी आदत छोड़ पाएंगे?

गांवों में बड़ी संख्या में लोग वर्षों से सिगरेट, गुटखा, तंबाकू और शराब का सेवन कर रहे हैं। कई



लोगों के लिए यह आदत शारीरिक और मानसिक निर्भरता बन चुकी है। ऐसे में केवल सामूहिक शपथ से नशामुक्ति का लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं होगा। नशे की लत छोड़ने के लिए इच्छाशक्ति के साथ परिवार का सहयोग, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार भी जरूरी है। प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि नशे के आदी लोगों को काउंसलिंग और नशामुक्ति केंद्रों से जोड़ा जाए। अब देखना होगा कि कनवाही में दिलाई गई शपथ लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाती है या सरकारी आयोजन तक ही सीमित रह जाती है।

दशकों पुरानी लत छोड़ने के लिए चाहिए इच्छाशक्ति

नशे की लत केवल एक सामान्य आदत नहीं होती। लंबे समय तक सिगरेट, गुटखा, तंबाकू और शराब का सेवन करने वाले व्यक्ति में शारीरिक और मानसिक निर्भरता विकसित हो सकती है। ऐसे में अचानक नशा छोड़ना कई लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। इसके लिए चिकित्सकीय सलाह, नियमित काउंसलिंग, परिवार का सहयोग और उचित उपचार जरूरी है। प्रशासन को शिविर में शपथ लेने वाले नशे के आदी लोगों की पहचान कर उन्हें नशामुक्ति सेवाओं से जोड़ने की पहल करनी चाहिए। इससे शपथ केवल शब्दों तक सीमित न रहकर वास्तविक बदलाव का माध्यम बन सकती है।

शपथ से आगे बढ़े अभियान हो नियमित निगरानी

नशामुक्त समाज का निर्माण केवल मंच से भाषण देने और सामूहिक शपथ दिलाने से संभव नहीं है। इसके लिए गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाने, नशामुक्ति केंद्रों की जानकारी देने और जरूरतमंदों को उपचार उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। युवाओं को खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना भी महत्वपूर्ण है। प्रशासन को समय-समय पर यह समीक्षा करनी चाहिए कि अभियान के बाद कितने लोगों ने नशा छोड़ा और कितने लोग उपचार से जुड़े। यदि शपथ के बाद भी लोग पुरानी आदतों में लौट रहे हैं तो इसके कारणों को समझकर सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेश फैलाने पर प्रशासन सख्त, आरोपी को भेजा जेल

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेश प्रसारित कर सामाजिक शांति भंग करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध प्रशासन ने प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। आरोपी को उपजेल लटेरी भेजा गया है। एसडीएम ओमनारायण बड़कुल के समक्ष प्रस्तुत प्रकरण के अनुसार ग्राम खुदारामपुर निवासी अनवर जिलानी पिता गुलाम अहमद, हाल मुकाम तलैया सिरोंज, सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से भ्रामक संदेश फैला रहा था। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा से संबंधित गतिविधियों के कारण क्षेत्र में भय और असुरक्षा का वातावरण बन गया था। लोग इतने भयभीत थे कि न्यायालय में साक्ष्य देने से भी हिचकिचा रहे थे।



स्थिति को देखते हुए सिरोंज पुलिस ने आरोपी को पकड़कर अनुविभागीय दंडाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उसे उपजेल लटेरी भेज दिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समाज में अशांति फैलाने और भ्रामक संदेशों से भय का माहौल बनाने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसी गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

डब्ल्यूपीएल2027: दिल्ली कैपिटल्स ने चला बड़ा दांव

जयवर्धने को डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट नियुक्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग 2027 सीजन से पहले दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी महिला टीम को मजबूत बनाने के लिए बड़ा फैसला लिया है। फ्रेंचाइजी ने श्रीलंका के दिग्गज क्रिकेटर और अनुभवी कोच महेला जयवर्धने को महिला टीम का डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट नियुक्त किया है। जयवर्धने अब टीम से जुड़े सभी क्रिकेटिंग मामलों की जिम्मेदारी संभालेंगे। मुंबई इंडियंस को आईपीएल में तीन खिताब दिलाने वाले जयवर्धने के अनुभव से दिल्ली को उम्मीद है कि महिला टीम के प्रदर्शन में सुधार आएगा और फ्रेंचाइजी खिताब जीतने की अपनी कोशिशों को नई दिशा दे सकेगी।

माहेला जयवर्धने को दिल्ली कैपिटल्स ने एक महत्वपूर्ण भूमिका सौंपी है। डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट के तौर पर वह टीम की रणनीति तैयार करने, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने और खिलाड़ियों के साथ कोचिंग स्टाफ के विकास पर काम करेंगे। उनकी जिम्मेदारी सिर्फ मैदान पर टीम के प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि भविष्य के लिए मजबूत टीम तैयार करना भी उनके काम का हिस्सा होगा। फ्रेंचाइजी चाहती है कि टीम के प्रदर्शन में निरंतरता आए और वह हर सीजन खिताब की मजबूत दावेदार बनकर उतरे।



जयवर्धने बोले- टीम की मौजूदा खूबियों को और मजबूत करना लक्ष्य

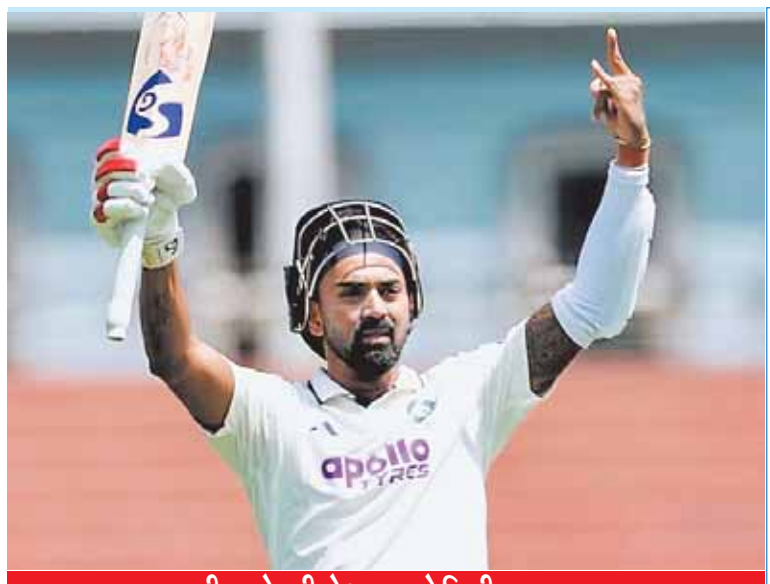
नई जिम्मेदारी मिलने पर माहेला जयवर्धने ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की अपनी एक मजबूत पहचान है और महिला क्रिकेट के भविष्य को लेकर फ्रेंचाइजी का विजन काफी शानदार है। जयवर्धने ने कहा, 'दिल्ली कैपिटल्स की डब्ल्यूपीएल टीम के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की जिम्मेदारी संभालकर मैं बेहद खुश हूं। मेरा ध्यान टीम की मौजूदा खूबियों को और मजबूत करने, प्रदर्शन में निरंतरता लाने और यह सुनिश्चित करने पर रहेगा कि टीम लगातार आगे बढ़े और खिताब जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करे।

न्यूजीलैंड की धरती पर केएल राहुल ने रचा नया इतिहास

SENA देशों में शतक लगाने वाले पहले ओपनर

वेलिंगटन, एजेंसी

न्यूजीलैंड की तेज और उछाल भरी पिच पर भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने अपने धैर्य, तकनीक और शानदार बल्लेबाजी से इतिहास रच दिया। वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व मैदान पर खेले जा रहे दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के तीसरे दिन राहुल ने अपने टेस्ट करियर का 13वां शतक जमाया। उन्होंने 203 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की। इस शतक के साथ ही राहुल ने ऐसा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया, जो उनसे पहले कोई भारतीय सलामी बल्लेबाज हासिल नहीं कर सका था। वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले भारत के पहले ओपनर बन गए हैं। राहुल की इस ऐतिहासिक पारी ने न केवल भारतीय टीम को मुश्किल परिस्थितियों से उबारा, बल्कि मुकाबले में भी उसकी स्थिति मजबूत कर दी। तीसरे दिन के दूसरे सत्र में शतक पूरा करने के बाद राहुल ने अपनी बल्लेबाजी का आक्रामक अंदाज दिखाने के बजाय संभलकर खेलना जारी रखा। दूसरे छोर पर देवदत्त पडिक्कल ने भी उनका अच्छा साथ दिया। भारत ने एक विकेट पर 248 रन बनाकर न्यूजीलैंड की पहली पारी के 368 रनों के जवाब में शानदार वापसी की।



130 रन की साझेदारी से भारत को मिली शानदार शुरुआत

368 रनों के लक्ष्य के सामने भारतीय पारी की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों का डटकर सामना किया। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 130 रनों की शानदार साझेदारी हुई। यशस्वी ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 89 गेंदों में 85 रन बनाए। उनकी पारी में 16 चौके शामिल रहे। वह लगातार न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाते रहे। यशस्वी की इस पारी ने भारतीय टीम को मजबूत आधार दिया, लेकिन 27.5 ओवर में मैट हेनरी ने उन्हें आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। इसके बाद राहुल को देवदत्त पडिक्कल का साथ मिला। दोनों ने बिना किसी अतिरिक्त जोखिम के बल्लेबाजी की और न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसाए रखा।

203 गेंदों में शतक, राहुल ने दिखाया क्लास

केएल राहुल ने अपनी पारी में धैर्य और जिम्मेदारी का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। उन्होंने 99 गेंदों में पांच चौकों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद भी वह विकेट पर टिके रहे और खराब गेंदों को ही निशाना बनाया। पिच पर समय बिताने के साथ उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया और आखिरकार 203 गेंदों में उन्होंने अपना शतक पूरा कर लिया। यह शतक राहुल के करियर के लिहाज से बेहद खास है। विदेशी परिस्थितियों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करना किसी भी बल्लेबाज के लिए बड़ी चुनौती होती है। राहुल ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी शतक लगाए हैं। न्यूजीलैंड में शतक जमाकर उन्होंने चारों देशों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय ओपनर का गौरव हासिल कर लिया।

पडिक्कल ने भी संभाला मोर्चा, अर्धशतक से बढ़ाया दबाव

राहुल को दूसरे छोर पर देवदत्त पडिक्कल का भरपूर साथ मिला। उन्होंने जिम्मेदारी के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। पडिक्कल की 54 रनों की पारी ने भारत की स्थिति और मजबूत कर दी। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए मजबूत साझेदारी हुई।

भारत से हारकर पाकिस्तान की खुली पोल!

दानिश कनेरिया ने अपनी ही टीम को धो डाला, मां का तंज भी हुआ वायरल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला हो और उसकी चर्चा मैदान से बाहर तक न पहुंचे, ऐसा कम ही होता है। अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में भारत के हाथों पाकिस्तान को मिली हार के बाद अब पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर दानिश कनेरिया ने अपनी ही टीम की जमकर आलोचना की है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाड़ियों की उम्र से लेकर गेंदबाजी, रणनीति और कोचिंग स्टाफ तक पर सवाल उठाए हैं। कनेरिया ने अपनी मां के साथ मैच के हाइलाइट्स देखने का एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया, जिसमें उनकी मां ने भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ियों के बीच एक अलग ही अंतर पकड़ लिया।

दानिश कनेरिया ने बताया कि जब भी उन्हें खाली समय मिलता है, वह क्रिकेट मैचों के हाइलाइट्स देखते हैं। इस दौरान उनकी मां भी उनके साथ बैठकर मैच देखती हैं। भारत और पाकिस्तान के अंडर-19 एशिया कप फाइनल के हाइलाइट्स देखते समय उनकी मां ने भारतीय खिलाड़ियों की उम्र और शारीरिक बनावट को लेकर टिप्पणी की। कनेरिया के मुताबिक, उनकी मां ने कहा कि भारतीय टीम के

पाकिस्तान की गेंदबाजी पर उठाए गंभीर सवाल



दानिश कनेरिया ने पाकिस्तान की हार के लिए उसकी गेंदबाजी और कमजोर रणनीति को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन गेंदबाजों ने अहम मौके पर निराश किया। उन्होंने पाकिस्तान के पुराने गेंदबाजी दौर को याद करते हुए कहा कि एक समय ऐसा था, जब पाकिस्तानी गेंदबाजों का दबदबा इतना होता था कि विपक्षी टीम के छह विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजों के लिए क्रीज पर टिकना मुश्किल हो जाता था। लेकिन अब पाकिस्तान की गेंदबाजी का स्तर काफी नीचे आ गया है। कनेरिया के मुताबिक, अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान के पास खिताब जीतने का अच्छा मौका था।

कोचिंग स्टाफ पर भी बरसे पूर्व स्पिनर

पूर्व पाकिस्तानी स्पिनर ने टीम के कोचिंग स्टाफ की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि टीम के साथ इतने अनुभवी कोच और पूर्व टेस्ट क्रिकेटर मौजूद थे, इसके बावजूद गेंदबाजों का सही इस्तेमाल नहीं किया जा सका। कनेरिया ने सवाल उठाया कि जब पाकिस्तान के पास मैच जीतने का शानदार मौका था, तब गेंदबाजों को कब और किस परिस्थिति में इस्तेमाल करना है, इस पर बेहतर रणनीति क्यों नहीं बनाई गई। उन्होंने माना कि गेंदबाजों के सही इस्तेमाल और मैच की परिस्थितियों को समझने में कमी के कारण पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान की आलोचना करने के साथ ही दानिश कनेरिया ने भारतीय अंडर-19 टीम की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत का टैलेंट पूल लगातार मजबूत हो रहा है। इस टीम में कई ऐसे खिलाड़ी नजर आए हैं, जो आने वाले समय में सीनियर भारतीय टीम का हिस्सा बन सकते हैं।



पंजाब किंग्स में हार्दिक पंड्या की एंट्री से बदली टीम की तस्वीर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2027 से पहले पंजाब किंग्स ने अपनी टीम में बड़ा बदलाव करते हुए स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को शामिल किया है। मुंबई इंडियंस से ट्रेड होकर पंजाब पहुंचे हार्दिक को लेकर टीम के हेड कोच रिकी पोंटिंग काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। उनका मानना है कि हार्दिक के आने से टीम का संतुलन पहले से बेहतर हुआ है और अब पंजाब के पास बल्लेबाजी, गेंदबाजी और ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मजबूत विकल्प मौजूद हैं। पोंटिंग के मुताबिक, टीम का मौजूदा स्क्वॉड लगभग हर परिस्थिति में बेहतर संयोजन तैयार करने में सक्षम है। पंजाब किंग्स ने हार्दिक पंड्या को अपनी टीम में शामिल करने के लिए तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को ट्रेड किया है। इस ट्रेड में हार्दिक की कीमत 18 करोड़ रुपये रही। हार्दिक के आने से पंजाब को एक ऐसा खिलाड़ी मिला है, जो मध्यक्रम में तेजी से रन बनाने के साथ-साथ तेज गेंदबाजी में भी अहम योगदान दे सकता है।

हांगकांग ओपन में सात्विक-चिराग का धमाका!

चीनी जोड़ी को करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में बनाई जगह रक्षिता का सफर खत्म



नई दिल्ली, एजेंसी

हांगकांग। भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने हांगकांग ओपन 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने चीन के हू के युआन और लिन जियांग यी को कड़े संघर्ष में 21-12, 13-21, 21-16 से शिकस्त दी। भारतीय खिलाड़ियों ने दूसरा गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी की और निर्णायक गेम जीतकर अंतिम चार में प्रवेश कर लिया। हालांकि, महिला एकल में भारत की रक्षिता रामराज को हार का सामना करना पड़ा। सात्विक और चिराग ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। दोनों खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल और बेहतरीन स्मैश के दम पर चीनी जोड़ी को दबाव में रखा। भारतीय खिलाड़ियों ने महज 13 मिनट में पहला गेम 21-12 से अपने नाम कर लिया। पहले गेम में चीनी खिलाड़ियों को भारतीय जोड़ी के सामने वापसी का ज्यादा मौका नहीं मिला।

दूसरे गेम में चीनी जोड़ी ने अपने खेल में सुधार किया और भारतीय खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती दी। शुरुआत में मुकाबला बराबरी का रहा और स्कोर 4-4 से लेकर 9-9 तक बराबर चलता रहा। इसके बाद हू के युआन और लिन जियांग यी ने लगातार अंक हासिल करते हुए 13-11 की बढ़त बनाई।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

फराह ने खोला पहला नशा की शूटिंग का राज, बोलीं- अच्छा हुआ आमिर थे, हजार बार करते थे रिहर्सल

मुंबई। हिंदी सिनेमा के सदाबहार रोमांटिक गानों में शुमार पहला नशा आज भी दर्शकों के दिलों में खास जगह रखता है। 1992 में रिलीज हुई फिल्म जो जीता वही सिकंदर के इस गाने ने अपनी खूबसूरत धुन और सपनों जैसे स्लो मोशन दृश्यों से एक अलग पहचान बनाई थी। अब मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान ने इस गाने की शूटिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि उस दौर में बिना आधुनिक तकनीक और मॉनिटर के स्लो मोशन गाने को फिल्माना कितना चुनौतीपूर्ण था। साथ ही उन्होंने आमिर खान की मेहनत और परफेक्शन की भी जमकर तारीफ की।



फराह खान का पहला कोरियोग्राफ किया हुआ गाना था पहला नशा

फराह खान हाल ही में मराठी क्विज शो कौन होणार करोड़पति में बतौर गेस्ट शामिल हुई थीं। शो की होस्ट माधुरी दीक्षित ने उनसे सवाल किया कि उन्होंने अपने करियर में सबसे पहला कौन-सा गाना कोरियोग्राफ किया था। इस पर फराह ने बताया कि उनका पहला गाना फिल्म जो जीता वही सिकंदर का लोकप्रिय रोमांटिक गीत पहला नशा था। इसके बाद दोनों अभिनेत्रियों और कोरियोग्राफर ने पुराने दौर की फिल्ममेकिंग और गानों की शूटिंग से जुड़े अनुभव साझा किए।

उनकी आदत ने शूटिंग को बनाया आसान

फराह खान ने इस गाने की शूटिंग के दौरान आमिर खान की मेहनत को याद करते हुए बताया कि अभिनेता हर मूवमेंट को परफेक्ट बनाने के लिए बार-बार अभ्यास करते थे। उन्होंने कहा, अच्छा हुआ कि वो आमिर थे। वो हजार बार प्रैक्टिस करते थे और हर बार एकदम परफेक्ट करते थे। फराह के मुताबिक, आमिर की इसी लगन और लगातार रिहर्सल करने की आदत ने मुश्किल शूटिंग को आसान बना दिया था। उनकी मेहनत के कारण गाने के हर मूवमेंट को पर्दे पर खूबसूरती से उतारना संभव हुआ। बातचीत के दौरान माधुरी दीक्षित ने पुराने समय में स्लो मोशन गानों की शूटिंग के मुश्किल अनुभवों का जिक्र किया। इस पर फराह खान ने बताया कि उस दौर में सेट पर मॉनिटर की सुविधा नहीं होती थी।



मेट्रो बाजार

भारतीय कंपनियां कारोबार वृद्धि के लिए तेजी से एआई और डिजिटल मॉडल में कर रहीं निवेश

नई दिल्ली । भारतीय कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल मॉडल में तेजी से निवेश कर रही हैं। बढ़ती लागत और वैश्विक व्यापार में जारी अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनियां व्यापार वृद्धि को गति देने और अपनी मजबूती बढ़ाने के लिए अपने कामकाज के तौर-तरीकों में बदलाव कर रही हैं। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एचएसबीसी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 81 प्रतिशत कंपनियों को उम्मीद है कि टेक्नोलॉजी में निवेश से उनके उत्पादों और सेवाओं की मांग बढ़ेगी। वहीं, वैश्विक स्तर पर ऐसा मानने वाली कंपनियों का आंकड़ा 70 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया कि टेक्नोलॉजी से जुड़े खर्च को लागत का एक प्रमुख कारक माना गया है। सर्वेक्षण में शामिल 52 प्रतिशत कंपनियों ने टेक्नोलॉजी और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश का जिक्र किया, जबकि 46 प्रतिशत कंपनियों ने एआई से जुड़े निवेश को प्रमुख लागत कारक बताया। ये दोनों आंकड़े वैश्विक औसत क्रमशः 36 प्रतिशत से अधिक हैं। भारत की 93 प्रतिशत कंपनियां व्यापार से जुड़े कम से कम एक कामकाज में एआई का इस्तेमाल कर रही हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा 85 प्रतिशत है। वहीं, भारत की 94 प्रतिशत कंपनियों ने एआई टूल अपना लिए हैं या उन्हें अपनाने की योजना बना रही हैं।

भारत का कृषि निर्यात तेजी से बढ़ा, बासमती चावल-प्रोसेस्ड फ्रोजन आलू सबसे आगे रहे

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर के दौरान भारत के कृषि निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इस वृद्धि में बासमती चावल, प्रोसेस्ड फ्रोजन आलू और येलो डेंट कॉर्न का प्रमुख योगदान रहा।

बयान में कहा गया कि बासमती चावल का निर्यात 25.4 प्रतिशत बढ़कर 1.6 अरब डॉलर हो गया, जबकि प्रोसेस्ड आलू का निर्यात 20.8 प्रतिशत बढ़कर 17.9 करोड़ डॉलर के पार पहुंच गया। वहीं, येलो डेंट कॉर्न के निर्यात में करीब 12 गुना वृद्धि दर्ज की गई। पश्चिम एशिया, पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया के साथ-साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात की मजबूत वृद्धि भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की बढ़ती वैश्विक पहुंच को दर्शाती है। बासमती चावल के निर्यात में पश्चिम एशिया, उत्तरी अमेरिका और अन्य क्षेत्रों के कई प्रमुख बाजारों में वृद्धि दर्ज की गई। ईरान भारत के बासमती चावल का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बनकर उभरा। यहां निर्यात का मूल्य 44.1 प्रतिशत बढ़कर 12.98 करोड़ डॉलर से 18.71 करोड़ डॉलर हो गया। सऊदी अरब में निर्यात 7.9 प्रतिशत बढ़कर 17.44 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया, जबकि अमेरिका में 27.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ निर्यात 13.98 करोड़ डॉलर हो गया। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में निर्यात 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर इस अवधि के दौरान 13.83 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया। यमन, ओमान और जॉर्डन भी ऐसे अन्य प्रमुख गंतव्य रहे, जहां चावल के निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। कनाडा, कतर, नेपाल, मॉरीशस और इटली सहित अन्य देशों में भी इस अवधि के दौरान बासमती चावल के निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई। यह अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय बासमती चावल की बढ़ती भौगोलिक पहुंच को दर्शाता है।



माधुरी भी स्कूल में करती थीं खूब शरारतें! टीचर ने बेंत से की थी पिटाई, एक्ट्रेस ने सुनाया मजेदार किस्सा

मुंबई। बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित अपनी शानदार अदाकारी, खूबसूरती और बेहतरीन डांस के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। पर्दे पर हमेशा आत्मविश्वास से नजर आने वाली माधुरी के बचपन के दिन भी काफी दिलचस्प रहे हैं। स्कूल में वह भी आम बच्चों की तरह शरारतें किया करती थीं। हाल ही में एक क्विज शो के दौरान अभिनेत्री ने अपने स्कूल के दिनों का ऐसा मजेदार किस्सा सुनाया, जिसे सुनकर वहां मौजूद लोग हंसने लगे। माधुरी ने बताया कि एक बार क्लास में खूब हंगामा करने पर टीचर ने उन्हें और उनके साथियों को बेंत से पीटा था। इतना ही नहीं, उन्होंने गणित की क्लास और सख्त टीचर से जुड़े अपने डर का भी खुलासा किया।

माधुरी दीक्षित के स्कूल के दिनों का यह किस्सा उस समय सामने आया, जब क्विज शो में पुणे की कंटेस्टेंट अमृता डाले ने उनसे बचपन और पढ़ाई से जुड़े सवाल पूछे। अमृता ने अभिनेत्री से पूछा कि क्या कभी स्कूल में किसी टीचर ने उन्हें सजा दी थी? इस पर माधुरी ने हंसते हुए बताया कि उनके साथ ऐसा एक बार हुआ था। उन्होंने कहा कि स्कूल में उन्होंने और उनके दोस्तों ने इतना हंगामा किया था कि टीचर गुस्से में बेंत लेकर क्लास में आ गईं। इसके बाद टीचर ने सभी बच्चों को एक-एक बार बेंत से मारा। इस घटना को याद करते हुए माधुरी ने बताया कि बेंत की पहली मार पड़ने के बाद करीब दो सेकंड तक दर्द महसूस नहीं होता। उस जगह कुछ समय के लिए सुन्नपन रहता है, लेकिन इसके बाद तेज दर्द शुरू हो जाता है। अभिनेत्री ने बातचीत के दौरान बेंत पड़ने की आवाज की नकल भी करके दिखाई। उनका यह अंदाज देखकर शो में मौजूद लोग हंसने लगे। माधुरी का यह किस्सा उनके प्रशंसकों के लिए भी काफी दिलचस्प रहा, क्योंकि इससे उनके बचपन का एक अलग और मजेदार पहलू सामने आया।





पटाखों की चिंगारी से बारदाना गोदाम में लगी आग

मुजफ्फरनगर। नगर के कुकड़ा चौराहे के पास देवलोक वेडिंग पार्टी रेस्टोरेंट के पास प्लास्टिक के कट्टों के बारदाने के गोदाम में पटाखे की चिंगारी से भीषण आग लग गई। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की टीम पांच फायर टैंकरों की मदद से मशक्कत कर रही है। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के कुकड़ा चौराहे के पास मनोज खंडेलवाल का वरदान का गोदाम है। बराबर में ही देवलोक और सामने मधुर मिलन के नाम से बेंक्वेट हाल है। आज सुबह के समय दुल्हन की विदाई पार्टी के दौरान सड़क पर कुछ बारातियों ने पटाखे जला दिए, उनकी चिंगारी से गोदाम में आग लग गई। सूचना पाकर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। सुबह लगभग 6:30 बजे से आग लगी हुई है। दमकल विभाग टीम आग बुझाने के प्रयास कर रही है। गोदाम मालिक ने भारी नुकसान होना बताया है। गोदाम में 40 लाख से ज्यादा कट्टे रखे होना बताया जा रहा है।

न्यूज विंडो

बुराड़ी गांव के गोदाम में लगी आग, बचाव अभियान जारी

नई दिल्ली। बुराड़ी गांव में शनिवार सुबह एक गोदाम में आग लग गई। आग की लपटें उठती देख आसपास मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। दमकल विभाग को सुबह 6:08 बजे आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के साथ बचाव अभियान शुरू किया। आग की गंभीरता को देखते हुए सुबह 7:54 बजे मेक-4 घोषित किया गया। इसके बाद मौके पर दमकल की कुल 11 गाड़ियां और वाहन तैनात किए गए। इनमें तीन दमकल गाड़ियां, चार पानी के वाहन, एक विशेष सुरक्षा उपकरणों से लैस गाड़ी, एक पानी का पंप और एक बचाव वाहन शामिल हैं। दमकल विभाग के अधिकारी सीताराम और सीएल मीणा भी मौके पर मौजूद हैं। फिलहाल दमकलकर्मी आग बुझाने और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। आग लगने का कारण और इससे हुए नुकसान का अभी पता नहीं चल पाया है।

जालंधर के दो भाइयों की ग्रीस में हत्या, रिश्ते के मामा पर आरोप

जालंधर। जालंधर के शाहकोट क्षेत्र के गांव तलवंडी संघेड़ा के दो सगे भाइयों की ग्रीस में तेजधार हथियारों से हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान 26 वर्षीय दलजीत सिंह और 23 वर्षीय गुरविंदर सिंह के रूप में हुई है। यह दर्दनाक वारदात 3 नवंबर को हुई थी। दोनों भाइयों की हत्या का आरोप उनके मामा संदीप सिंह पर ही लगा है। आरोप है कि वह दोनों को बेहतर भविष्य का सपना दिखाकर ग्रीस ले गया था। घटना के करीब 18 दिन बाद शुक्रवार सुबह दोनों भाइयों के शव अमृतसर एयरपोर्ट पहुंचे। मृतकों के पिता बूटा सिंह ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है और उनके तीन बेटे हैं। करीब आठ महीने पहले जालंधर के गुमटाली निवासी दूर के रिश्तेदार संदीप सिंह ने बड़े बेटे दलजीत को वर्क परमिट पर ग्रीस भेजने का भरोसा दिया था। परिवार ने कर्ज लेकर उसे विदेश भेजा। वहां पहुंचने के करीब पांच महीने बाद दलजीत ने अपने छोटे भाई गुरविंदर को भी ग्रीस बुला लिया। गुरविंदर करीब तीन महीने पहले वहां पहुंचा था।

एम्स के पूर्व डॉक्टर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म की एफआईआर

पटना। पटना एम्स के सर्जरी विभाग के पूर्व जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर के खिलाफ चार साल तक शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़िता की शिकायत पर फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस ने यह कार्रवाई की। इस मामले में नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म करने, गर्भवती होने पर जबरन गर्भपात कराने और शादी से इन्कार कर जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

24 साल की युवती ने घर में लगाई फांसी, कारण स्पष्ट नहीं

रांची। रांची के मांडर थाना क्षेत्र के मिशन नवाटांड़ में 24 वर्षीय युवती ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य किसी काम से बाहर गए हुए थे और युवती घर में अकेली थी। जानकारी के अनुसार, परिवार के सभी सदस्य घर से बाहर गए थे। इसी दौरान अर्चना का छोटा भाई एडविन कुजूर घर लौटा। दरवाजा अंदर से बंद देखकर उसने काफी आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद किसी तरह दरवाजा खोलकर वह घर के अंदर पहुंचा। कमरे में उसने अपनी बहन को रस्सी के सहारे फंदे से लटका हुआ पाया।

मिडिल ईस्ट में तनाव बरकरार

ईरान बोला- यूरेनियम बाहर नहीं जाने देंगे परमाणु हथियार नहीं बनाने दूंगा: ट्रंप

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ईरान के सरकारी अखबार को दिए इंटरव्यू कहा कि एनरिच्ड यूरेनियम किसी दूसरे देश को नहीं सौंपेंगे। अमेरिका को भरोसा देना होगा कि शांति समझौते के बाद वह दोबारा हमला नहीं करेगा। इधर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि उन्हें ईरान पर हमला करने का कोई पछतावा नहीं है। वे ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे।इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला किया था। आरोप था कि ईरान का परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम उनकी सुरक्षा के लिए खतरा है। इसके जवाब में ईरान ने भी इजराइल और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए थे। ईरान लगातार कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण कामों के लिए है।

अराघची ने इंटरव्यू में कहा कि ईरान सिर्फ मौजूदा जंग से बाहर निकलने के लिए कोई भी समझौता नहीं करेगा। ईरान ऐसा करार चाहता है जो लंबे समय तक चले और जिसके बाद फिर से लड़ाई शुरू न हो। अराघची के मुताबिक, जून में हुए युद्धविराम समझौते के सिर्फ 15 दिन बाद फिर लड़ाई शुरू हो गई थी। इसलिए इस बार ईरान किसी भी समझौते से पहले अमेरिका की गारंटी चाहता है।



28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था

28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने ईरान में कई ठिकानों पर संयुक्त हमले किए थे। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया और रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया। इस रास्ते से दुनिया के बड़े हिस्से में तेल और गैस की सप्लाई होती है। इसके बंद होने से वैश्विक ऊर्जा बाजार और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है। ट्रम्प ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना युद्ध शुरू करने का एक बड़ा मकसद बताया था।

कतर के अधिकारियों से मिले ट्रम्प के दूत

दोनों देशों के बीच जंग खत्म करने के लिए कोशिशें जारी हैं। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प के दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने गुरुवार को जर्मनी की राजधानी बर्लिन में कतर के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। बैठक में जंग खत्म करने के रास्तों पर चर्चा हुई लेकिन कोई बड़ी सफलता नहीं मिली। इससे पहले इसी हफ्ते ईरान के एक छोटे प्रतिनिधिमंडल ने कतर के अधिकारियों से दोहा में बातचीत की थी। इस तरह जंग के बीच दोनों पक्षों के बीच बातचीत के रास्ते खुले हैं, लेकिन परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों और भविष्य में हमले न होने की गारंटी जैसे मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई है।

ट्रम्प साफ करें कि वह समझौता चाहते हैं या नहीं - अराघची

अराघची ने कहा कि ईरान की पहली मांग है कि ट्रम्प खुद साफ तौर पर बताएं कि क्या वे अमेरिका और ईरान के बीच समझौता करना चाहते हैं। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति के बदलते बयानों पर भी सवाल उठाए। अराघची के मुताबिक, ट्रम्प एक दिन कुछ कहते हैं और अगले दिन अपना रुख बदल लेते हैं। अराघची ने यह भी कहा है कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए तैयार है लेकिन इसके लिए अमेरिका को अपने वादे पूरे करने होंगे। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने इस बात का जिक्र नहीं किया कि अमेरिका ने क्या वादे किए थे। उन्होंने बताया, ईरान और अमेरिका के बीच इस्लामाबाद में एक समझौता ज्ञापन तैयार हुआ था, जिस पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के हस्ताक्षर भी हुए थे। लेकिन अमेरिका ने इसकी एक अहम शर्त तोड़ दी। इसके बाद यह समझौता अब लागू नहीं माना जा सकता।

1970 की डील पर उठाए सवाल

निशिकांत दुबे का बड़ा दावा; 'मारुति की असली मालकिन सोनिया थीं'

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी पर कई आरोप लगाए। गोड्डा से सांसद ने मारुति से जुड़ी कंपनियों में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के कथित स्वामित्व, हिस्सेदारी और उनकी नियुक्ति को लेकर सवाल उठाए। एक्स पर एक पोस्ट में दुबे ने कंपनी के गठन और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के साथ इसके कथित संबंधों का जिक्र किया। सोनिया गांधी को मारुति की असली मालकिन बताते हुए बीजेपी सांसद ने सवाल किया कि एक विदेशी नागरिक होने के बावजूद वह कंपनी में किसी पद पर कैसे हो सकती थीं।



निशिकांत दुबे ने क्या दावा किया?

21 नवंबर, 1970 का जिक्र करते हुए दुबे ने दावा किया कि संजय गांधी ने मारुति टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता किया था, जो उनके अनुसार सोनिया गांधी से जुड़ी हुई थी। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि 1970 में स्थापित होने के बावजूद इस कंपनी को 1968 में ही कार बनाने के लिए सरकारी मंजूरी कैसे मिल गई। दुबे ने लिखा, 'क्या आप जानते हैं कि विदेशी नागरिक होने के बावजूद सोनिया गांधी मारुति की मैनेजिंग डायरेक्टर और 50 प्रतिशत शेयरहोल्डर थीं? 21 नवंबर 1970 को संजय गांधी ने सोनिया गांधी की कंपनी मारुति टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता किया। मारुति की असली मालकिन सोनिया गांधी थीं।

उद्धव गुट की मांग 'नागपुर का नाम बदलकर दीक्षाभूमि करें'

मुंबई। एजेंसी

मुंबई में दादर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर चैत्यभूमि करने की महाराष्ट्र सरकार की पहल के बीच शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शुक्रवार को मांग की कि नागपुर का नाम बदलकर दीक्षाभूमि कर दिया जाए। पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा कि पूरा देश डॉ. अंबेडकर का सम्मान करता है और उनमें गहरी आस्था रखता है। संविधान के मुख्य निर्माता डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने अक्टूबर 1956 में नागपुर में अपने अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपना लिया था। राउत ने कहा, 'दादर तो बस एक स्टेशन है। डॉ. अंबेडकर को सबसे बड़ा सम्मान यह होगा कि नागपुर का नाम बदलकर दीक्षाभूमि कर दिया जाए। मुख्यमंत्री को इस संबंध में एक प्रस्ताव लाना चाहिए और हम उसका समर्थन करेंगे। डॉ. अंबेडकर के जीवन में सामाजिक क्रांति की शुरुआत नागपुर की दीक्षाभूमि से ही हुई थी। अगर इस मुद्दे पर कोई विवाद खड़ा होता है तो हम सरकार के साथ खड़े रहेंगे।'



राजस्थान पंचायत चुनाव: परिणाम में कांग्रेस ने पलटा पासा, जिला परिषदों में 23 जगह बहुमत

जयपुर। एजेंसी

राजस्थान के पंचायत चुनावों में कांग्रेस ने जिला परिषद और पंचायत समिति दोनों स्तरों पर भाजपा को पीछे छोड़ दिया है। जिला परिषद सदस्य चुनाव में कांग्रेस को भाजपा से 13.96 लाख और पंचायत समिति सदस्य चुनाव में 13.30 लाख ज्यादा वोट मिले हैं। वोट प्रतिशत के लिहाज से भी दोनों स्तरों पर कांग्रेस भाजपा से आगे रही। खास बात यह है कि पिछले पंचायत चुनाव में जिला परिषदों में भाजपा ने कांग्रेस से कम वोट प्रतिशत के बावजूद ज्यादा सीटें और अधिक जिला परिषदों में बहुमत हासिल किया था। इस बार तस्वीर बदल गई है। कांग्रेस ने जिला परिषदों में 23 जगह स्पष्ट बहुमत हासिल किया है, जबकि भाजपा को पांच जगह बहुमत मिला है।

जिला परिषदों में पिछली बार भाजपा आगे थी

वर्ष 2020-21 में हुए पंचायत चुनाव में 33 जिला परिषदों के चुनाव में भाजपा को 42.42 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस को 42.59 प्रतिशत वोट मिले थे। यानी वोट प्रतिशत में कांग्रेस 0.17 प्रतिशत अंक से आगे थी, लेकिन सीटों के मामले में भाजपा ने बाजी मार ली थी। उस चुनाव में भाजपा ने 505 और कांग्रेस ने 456 जिला परिषद सदस्य सीटें जीती थीं। भाजपा को 20 जिला परिषदों में बहुमत मिला था।

इस बार जिला परिषद के 1275 निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस को 1,07,54,243 वोट (43.40%) मिले, जबकि भाजपा को 93,58,526 वोट (37.77%) मिले। दोनों के बीच 13,95,717 वोट यानी करीब 14 लाख वोट और 5.63 प्रतिशत अंकों का अंतर रहा। पंचायत समिति चुनाव में कांग्रेस को 97,07,229 वोट (39.15%) और भाजपा को 83,76,656 वोट (33.78%) मिले। यहां कांग्रेस की बढ़त 13,30,573 वोट और 5.37 प्रतिशत अंक रही।

मेट्रो एंकर

2008 में 87 दिन बाद समापन हुआ था, परिसीमन बिल पर विशेष बैठक का इंतजार

मानसून सत्र 100 दिन बाद भी खत्म नहीं, नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। एजेंसी

संसद का 2026 का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के 100 दिन बाद भी औपचारिक रूप से खत्म नहीं हुआ है। यह एक नया रिकॉर्ड है। इससे पहले 2008 में संसद का सत्र 87 दिन तक बिना औपचारिक समापन के रहा था। मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी, लेकिन अब तक दोनों सदनों का सत्र औपचारिक रूप से खत्म नहीं हुआ है। इस बीच, महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर संसद का विशेष या विस्तारित सत्र बुलाने की चर्चा है। सरकार ने अब तक इसकी तारीख और अवधि घोषित नहीं की है।

लोकसभा की सीटें 850 तक बढ़ाने का प्रस्ताव



प्रस्तावित संविधान संशोधन के तहत परिसीमन के जरिए लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की योजना है। इसका उद्देश्य 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33' आरक्षण देने का रास्ता साफ करना है। सरकार दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करने के लिए हर राज्य में लोकसभा सीटों की संख्या 50' तक बढ़ाने के विकल्प पर विचार कर रही है। एक प्रस्ताव यह भी है कि 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बरकरार रखा जाए। हालांकि, इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

दिसंबर के पहले हफ्ते में शीतकालीन सत्र संभव

सरकार मानसून सत्र के समापन का ऐलान नहीं कर रही है। इस बीच दिसबंर के पहले हफ्ते में शीतकालीन सत्र शुरू होने की भी संभावना है। मौजूदा सत्र को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम दो दिन का नोटिस देना जरूरी है। वहीं, नया सत्र बुलाने के लिए कम से कम 14 दिन का नोटिस देना होता है। संविधान में यह तय नहीं किया गया है कि किसी सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के कितने समय बाद उसका सत्रावसान होना चाहिए। इसलिए लंबे समय तक सत्रावसान नहीं करना अपने आप में किसी संवैधानिक या प्रक्रियागत नियम का उल्लंघन नहीं है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524